वैशाख शुक्ल - 8 ▪ संवत 2082 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 275 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 05-05-2025 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

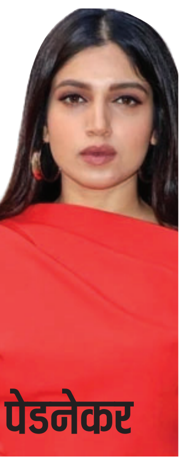

5 बंगाल के लिए चुनौती बन रहा 'कट्टरपंथ'

6 जलवायु परिवर्तन से राहत और आफत

7 बहुत सारी विदेशी फिल्म-निर्माण कंपनियां भारत आने वाली हैं : भूमि पेडनेकर

फर्स्ट टेक

तुर्की के विपक्षी नेता पर इस्तांबुल में हमला

इस्तांबुल/एपी। तुर्की की मुख्य विपक्षी 'रिपब्लिकन पीपुल्स पार्टी' के प्रमुख ओजगुर ओजेल पर रविवार को इस्तांबुल में एक कार्यक्रम से बाहर निकलते समय हमला किया गया। पार्टी प्रमुख ओजेल शहर के मध्यवर्ती इलाके में स्थित अतातुर्क सांस्कृतिक केंद्र से बाहर निकल रहे थे तभी एक व्यक्ति उनके पास आया और उनके चेहरे पर थप्पड़ मारा। टेलीविजन फुटेज में पूरी घटना दिखाई दी है। इस्तांबुल के मुख्य लोक अभियोजक कार्यालय ने बताया कि संदिग्ध को हिरासत में ले लिया गया है। ओजेल शनिवार को मारे गए कुर्द समर्थक राजनीतिज्ञ सिर्री सुरेया ओण्डर की स्मृति में आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। हमले में उन्हें कोई चोट नहीं आई है।

फवाद खान, आतिफ असलम, आबिदा परवीन के इंस्टाग्राम अकाउंट पर भारत में रोक

नई दिल्ली/भाषा। पहलगाम हमले के बाद भारत में फवाद खान, आतिफ असलम और 'सनम तेरी कसम' में अभिनय करने वाली मावरा होकेन तथा जानी-मानी गायिका आबिदा परवीन समेत कई पाकिस्तानी सितारों के इंस्टाग्राम अकाउंट पर रोक लगा दी गई है। भारत में जब इन लोगों के प्रशंसकों ने उनके इंस्टाग्राम पेज पर पहुंचने की कोशिश की तो यह संदेश आया, ''भारत में खाता उपलब्ध नहीं है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि हमने इस सामग्री को प्रतिबंधित करने के कानूनी अनुरोध का अनुपालन किया है।'' फवाद खान लगभग नौ साल बाद फिल्म ''अबीर गुलाल'' के साथ बॉलीवुड में वापसी करने वाले थे, लेकिन हमले के बाद अब इसकी रिलीज अधर में लटक गई है।

यमन से दागी गई मिसाइल के कारण करीब एक घंटे तक उड़ानें बंद रही

बेन गुरियन अंतरराष्ट्री हवाई अड्डा (इजराइल)/एपी। यमन के ईरान समर्थित विद्रोहियों द्वारा रविवार को दागी गई मिसाइल के कारण इजराइल के मुख्य अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ानें करी एक घंटे तक बाधित रहीं। यमन के हूती विद्रोहियों द्वारा दागी मिसाइल के कारण धुएं का गुबार उठता दिखाई दिया और यात्रियों में दहशत फैल गई। हूती विद्रोही गाजा में युद्ध के दौरान फलस्तीनियों के साथ एकजुटता दिखाते हुए इजराइल पर हमला कर रहे हैं। बेन-गुरियन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हमला शीर्ष इजराइली कैबिनेट मंत्रियों द्वारा गाजा पट्टी में देश के सैन्य अभियानों को तेज करने के बारे में मतदान करने से कुछ घंटे पहले हुआ।

सूर्यास्त 05-05-2025 6:24 बजे	सूर्योदय 06-05-2025 6:46 बजे
BSE 80,501.99 (+259.75)	NSE 24,346.70 (+12.50)
सोना 101,126 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 111,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

सियासती रिश्ते

सियासत में बने संबंध,
सब छत्तीस हो जाते।
कभी दुश्मन के चरणों में,
नमन नत शीश हो जाते।
बदलते नीति जो अपनी,
वही नीतीश हो जाते।
समय के गणित को समझे,
वो सत्ताधीश हो जाते।।

भारत पर बुरी नजर रखने वालों को 'मुंहतोड़ जवाब' देना मेरी जिम्मेदारी : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को कहा कि सशस्त्र बलों के साथ मिलकर काम करना और भारत पर बुरी नजर रखने वालों को ''मुंहतोड़ जवाब'' देना उनकी जिम्मेदारी है। सिंह की यह टिप्पणी 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की पृष्ठभूमि में आई है, जिसमें 26 लोग मारे गए थे।

रक्षामंत्री ने दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि लोग प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बहुत अच्छी तरह से जानते हैं और उनकी कार्यशैली, दृढ़ संकल्प और जिस तरह से वह 'जोखिम उठाते' हैं, उससे वे भली-भांति परिचित हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता ने कहा, ''मैं आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में आप जो चाहते हैं, वह निश्चित रूप से होगा।''

उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब भारत 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के सीमापार संबंधों के मद्देनजर पाकिस्तान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई पर विचार कर रहा है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे। सिंह ने कहा, ''रक्षा मंत्री के तौर पर यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं अपने सैनिकों के साथ मिलकर काम करूं और देश की सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करूं। यह मेरी जिम्मेदारी है कि मैं सशस्त्र बलों के साथ मिलकर उन लोगों को मुंहतोड़ जवाब दूं, जो हमारे देश पर बुरी नजर रखते हैं।''

संस्कृत करीब करीब सभी भारतीय भाषाओं की जननी है : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को कहा कि किसी भी भाषा का विरोध नहीं है क्योंकि किसी को भी उसकी मातृभाषा से दूर नहीं किया जा सकता तथा संस्कृत लगभग सभी भारतीय भाषाओं की जननी है।

यहां 1008 संस्कृत सम्भाषण शिविरों के समापन समारोह को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि अधिकतर भारतीय भाषाओं की जननी के रूप में संस्कृत का प्रचार-प्रसार सिर्फ इसके पुनरुद्धार के लिए है, बल्कि राष्ट्र की समग्र प्रगति को आगे बढ़ाने के लिए भी है। उन्होंने कहा कि जैसे-जैसे संस्कृत समृद्ध और मजबूत होती जाएगी, वैसे-वैसे यह देश भर की हर भाषा और बोली को सशक्त बनाएगी। उन्होंने कहा, ''हालांकि किसी भी भाषा का विरोध नहीं है, क्योंकि किसी को भी मातृभाषा से दूर नहीं किया जा सकता है, लेकिन संस्कृत लगभग सभी भारतीय भाषाओं की जननी है।''

गृह मंत्री ने कहा कि संस्कृत न केवल दुनिया की सबसे वैज्ञानिक भाषा है, बल्कि इसकी व्याकरणिक संरचना भी अद्वितीय है। उन्होंने 1008 संस्कृत सम्भाषण शिविरों के आयोजन में संस्कृत भारती की उल्लेखनीय और साहसी पहल की सराहना करते हुए कहा कि संस्कृत भाषा औपनिवेशिक शासन के युग से पहले ही सिमटने लगी थी और इसके पुनरुद्धार के लिए समय और निरंतर प्रयास की आवश्यकता होगी। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में संस्कृत के पुनरुत्थान के लिए अनुकूल माहौल बना है। शाह ने कहा कि सरकार, जनता और सामूहिक मानसिकता सभी संस्कृत के पुनरुद्धार और संवर्धन के लिए पूरी तरह समर्पित एवं प्रतिबद्ध हैं।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 1984 के सिख विरोधी दंगों को लेकर कहा है कि

'कांग्रेस ने कई गलतियां कीं, जिम्मेदारी स्वीकार करता हूं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने 1984 के सिख विरोधी दंगों को लेकर कहा है कि उनकी पार्टी ने अतीत में कई 'गलतियां' की हैं और उस समय पार्टी में न होने के बावजूद वह उनकी जिम्मेदारी स्वीकार करते हैं।

उनका यह भी कहना है कि अतीत में उन्होंने सार्वजनिक रूप से कहा है कि 1980 के दशक में जो हुआ वह गलत था।

राहुल गांधी ने यह टिप्पणी बीते 21 अप्रैल को अमेरिका में ब्राउन विश्वविद्यालय के 'वॉटसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स' में एक संवाद सत्र के दौरान की थी। बातचीत का वीडियो शनिवार को वॉटसन इंस्टीट्यूट फॉर इंटरनेशनल एंड पब्लिक अफेयर्स के यूट्यूब चैनल पर अपलोड किया गया था।

संवाद सत्र के दौरान एक सिख छात्र ने 1984 के सिख विरोधी दंगों का जिक्र करते हुए सवाल किया कि वह समुदाय के साथ तालमेल बैठाने के लिए क्या प्रयास कर रहे हैं?

छात्र ने अमेरिका की पिछली यात्रा के दौरान राहुल गांधी की उस टिप्पणी का भी उल्लेख किया जिसमें उन्होंने कहा था कि 'वह जो लड़ाई लड़ रहे हैं, वह इस बात को लेकर है कि भारत में सिखों को पगड़ी पहनने की इजाजत होगी या नहीं'।

अपने जवाब में राहुल गांधी ने कहा, मुझे नहीं लगता कि कोई भी चीज़ सिखों को डराती है। मैंने जो बयान दिया था वह यह था कि क्या हम ऐसा भारत चाहते हैं जहां लोग अपने धर्म को व्यक्त करने में असहज हों? जहां तक कांग्रेस पार्टी की गलतियों का सवाल है, उनमें से कई गलतियां तब हुईं जब मैं वहां (पार्टी में) नहीं था, लेकिन कांग्रेस पार्टी ने अपने इतिहास में जो कुछ भी गलत किया है, उसकी जिम्मेदारी सहर्ष स्वीकारता हूं।

उनका कहना था, मैंने सार्वजनिक रूप से कहा है कि 80 के दशक में जो हुआ वह गलत था, मैं कई बार स्वर्ण मंदिर गया हूं, भारत में सिख समुदाय के साथ मेरे बहुत अच्छे संबंध हैं और उनके साथ प्रेमपूर्ण संबंध हैं।

बातचीत के वीडियो के इस हिस्से को टैग करते हुए, भाजपा के आईटी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने शनिवार को कहा, एक युवक राहुल गांधी को उस निराधार भय फैलाने की याद दिलाता है जो उन्होंने अपनी पिछली अमेरिका यात्रा के दौरान किया था।

पहलगाम हमला:

पाकिस्तान ने भारतीय पोतों के लिए बंदरगाह बंद किए

इस्लामाबाद/नई दिल्ली/भाषा। पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर भारत द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ नए दंडात्मक कदम उठाए जाने के कुछ ही घंटों बाद पाकिस्तान ने भी भारतीय ध्वज वाले पोतों के लिए अपने बंदरगाहों को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया है। इससे पहले, भारत ने इस्लामाबाद के खिलाफ नए दंडात्मक कदम उठाते हुए शनिवार को पाकिस्तान के साथ सभी डाक सेवाएं स्थगित कर दीं और भारतीय बंदरगाहों पर पाकिस्तानी ध्वज वाले पोतों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया। भारत ने पाकिस्तान से आने वाले या वहां से गुजरने वाले माल के आयात और अपने बंदरगाहों पर पाकिस्तानी पोतों के प्रवेश पर भी शनिवार को प्रतिबंध लगा दिया था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि देश आतंकवादियों और उनके समर्थकों के खिलाफ ''दृढ़ एवं निर्णायक'' कार्रवाई करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके बाद, पाकिस्तान ने शनिवार देर रात आदेश दिया कि भारतीय ध्वज वाले किसी भी पोत को किसी भी पाकिस्तानी बंदरगाह पर आने की अनुमति नहीं दी जाएगी तथा पाकिस्तानी पोतों को किसी भी भारतीय बंदरगाह पर रुकने की अनुमति नहीं होगी।

बदरीनाथ धाम

उत्तराखंड के उच्च गढ़वाल हिमालयी क्षेत्र में स्थित विश्वप्रसिद्ध बदरीनाथ धाम के कपाट सर्दियों में छह माह बंद रहने के बाद रविवार पुन: श्रद्धालुओं के लिए खोलने के साथ ही पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम से की गई। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत सुबह छह बजे चमोली जिले में स्थित मंदिर के कपाट वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधिवत पूजा अर्चना के साथ श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए गए।

यूक्रेन के खिलाफ परमाणु हथियारों की जरूरत नहीं पड़ेगी : पुतिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

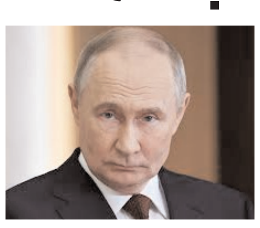

मॉस्को/एपी। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रविवार को प्रसारित एक संदेश में कहा कि यूक्रेन में परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की आवश्यकता नहीं पड़ी है और उम्मीद करता हूं कि आगे भी ऐसी आवश्यकता नहीं पड़ेगी।

सरकारी टेलीविजन पर पुतिन का साक्षात्कार प्रसारित होने से पहले टेलीग्राम पर साक्षात्कार का पूर्वावलोकन साझा किया गया है जिसमें पुतिन कहते हुए सुनाई दे रहे हैं कि रूस के पास यूक्रेन में संघर्ष को ''तार्किक निष्कर्ष'' तक पहुंचाने की ताकत और साधन है। यूक्रेन द्वारा रूसी क्षेत्र पर किये जा रहे हमलों के संदर्भ में पूछे गए एक सवाल के जवाब में पुतिन ने कहा, ''उन (परमाणु) हथियारों का उपयोग करने की कोई आवश्यकता नहीं थी ... और मुझे आशा है कि उनकी आवश्यकता नहीं होगी।'' उन्होंने कहा, ''हमारे पास पर्याप्त शक्ति और साधन हैं, जिससे 2022 में जो शुरू किया गया था, उसे रूस की अपेक्षाओं के अनुरूप तार्किक निष्कर्ष पर पहुंचाया जा सके।''

पुतिन ने नवंबर 2024 में रूस की संशोधित परमाणु नीति को मंजूरी दी थी, जिसमें उन परिस्थितियों का उल्लेख किया गया है जो उन्हें रूस के परमाणु शस्त्रागार का उपयोग करने की अनुमति देती हैं। रूस के पास दुनिया का सबसे बड़ा परमाणु हथियार जखीरा है।

जयशंकर ने यूरोप को परोक्ष संदेश देते हुए कहा

भारत को साझेदारों की तलाश है, उपदेशकों की नहीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने भारत के साथ गहरे संबंध विकसित करने के लिए यूरोप को कुछ संवेदनशीलता दिखाने और पारस्परिक हितों को ध्यान में रखने की सलाह देते हुए रविवार को कहा कि भारत भागीदारों की तलाश कर रहा है, न कि ''उपदेशकों'' की। जयशंकर ने एक संवादात्मक सत्र में कहा कि भारत ने हमेशा ''रूसी यथार्थवाद'' की वकालत की है और संसाधन प्रदाता एवं उपभोक्ता के रूप में भारत और रूस के बीच ''महत्वपूर्ण सामंजस्य'' है और वे इस मामले में एक दूसरे के ''पूरक'' हैं।

विदेश मंत्री ने रूस-यूक्रेन संघर्ष का समाधान रूस को शामिल किए बिना खोजने के पश्चिम के पहले के प्रयासों की भी आलोचना करते हुए कहा कि इसने ''यथार्थवाद की बुनियादी बातों को चुनौती दी है।'' उन्होंने 'आर्कटिक सर्किल इंडिया फोरम' में कहा, ''मैं जैसे रूस के यथार्थवाद का समर्थक हूं, वैसे ही मैं अमेरिका के यथार्थवाद का भी समर्थक हूं।'' उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि आज के अमेरिका के साथ जुड़ने का सबसे अच्छा तरीका हितों की पारस्परिकता को खोजना है, न कि वैचारिक मतभेदों को आगे रखकर मिलकर काम करने की संभावनाओं को कमजोर होने देना।''

विदेश मंत्री ने आर्कटिक में हालिया घटनाक्रम के दुनिया पर पड़ने वाले असर और बदलती वैश्विक व्यवस्था के क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर व्यापक चर्चा करते हुए ये बातें कहीं।

जयशंकर ने यूरोप से भारत की अपेक्षाओं संबंधी एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि उसे उपदेश देने के बजाय पारस्परिकता के ढांचे के आधार पर कार्य करना शुरू करना होगा। उन्होंने कहा, ''जब हम दुनिया को देखते हैं तो हम साझेदारों की तलाश करते हैं, हम उपदेशकों की तलाश नहीं करते, विशेषकर ऐसे उपदेशकों की, जो अपनी बातों का अपने देश में स्वयं पालन नहीं करते, लेकिन अन्य देशों को उपदेश देते हैं।''

विदेश मंत्री ने कहा, ''मुझे लगता है कि यूरोप का कुछ हिस्सा अब भी इस समस्या से जूझ रहा है। कुछ हिस्से में बदलाव आया है।'' उन्होंने कहा कि यूरोप को ''कुछ हद तक वास्तविकता का एहसास'' हुआ है। उन्होंने कहा, ''अब हमें यह देखना होगा कि वे इस पर आगे बढ़ पाते हैं या नहीं।''

कनाडा को '51वां राज्य' बनाने के लिए सैन्य कार्रवाई की जरूरत नहीं : ट्रंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वेस्ट पाम बीच/एपी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस आशंका से इनकार किया है कि कनाडा को 51वां राज्य बनाने के लिए सैन्य कार्रवाई की आवश्यकता होगी।

ट्रंप ने एक साक्षात्कार में यह भी कहा कि व्हाइट हाउस के लिए तीसरे कार्यकाल की दौड़ में उनके शामिल होने की संभावना नहीं है। साथ ही ट्रंप ने उपराष्ट्रपति जेडी वेंस या उनके अन्य किसी करीबी नेता के 2028 की राष्ट्रपति पद की दौड़ में शामिल होने की अटकलों को भी खारिज किया।

राष्ट्रपति पद संभालने के 100 दिन पूरे होने के बाद एनबीसी को दिए साक्षात्कार में ट्रंप ने अमेरिका में अवैध रूप से रह रहे लोगों को उनके देश निर्वासित किए जाने से जुड़े सवालों पर कहा कि वह संविधान के अनुसार ही काम कर रहे हैं।

रविवार को प्रसारित साक्षात्कार में ट्रंप ने स्पष्ट किया कि वह चुनाव के दौरान अमेरिकी मतदाताओं से किए गए वादों से पीछे नहीं हट रहे हैं।

आलोचकों का दावा है कि ट्रंप अमेरिका में संवैधानिक प्रक्रिया को कमजोर कर रहे हैं। सबसे उल्लेखनीय रूप से, वे अल साल्वाडोर के किल्मर अब्रेगो गार्सिया के मामले का हवाला देते हैं, जो मैरीलैंड में रह रहा था जब उसे गलती से अल साल्वाडोर भेज दिया गया और बिना किसी संचार के जेल में डाल दिया गया। ट्रंप का कहना है कि अब्रेगो गार्सिया एक हिंसक अंतरराष्ट्रीय गिरोह का हिस्सा है।

पद्मश्री से सम्मानित प्रख्यात योग गुरु स्वामी शिवानंद का निधन

वाराणसी (उप्र)/भाषा। पद्मश्री से सम्मानित वाराणसी निवासी प्रख्यात योग गुरु स्वामी शिवानंद का निधन हो गया। वह 128 वर्ष के थे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया है। बाबा शिवानंद के शिष्यों ने बताया कि अस्वस्थ होने के कारण उन्हें 30 अप्रैल को काशी हिंदू विश्वविद्यालय अस्पताल में भर्ती कराया गया था और शनिवार रात उन्होंने अंतिम सांस ली। उन्होंने बताया कि योग गुरु का अंतिम संस्कार रविवार शाम को किया जाएगा। श्रद्धांजलि देने के लिए बाबा शिवानंद के पार्थिव शरीर को कबीरनगर कॉलोनी स्थित उनके आवास पर रखा गया है। शिष्यों ने बताया कि वर्तमान में बांग्लादेश के श्रीहट्ट जिले में आठ अगस्त 1896 को शिवानंद का जन्म हुआ था और बाबा शिवानंद जब छह साल के थे तभी उनके माता-पिता की भूख के कारण मृत्यु हो गई थी।

सिंधु जल संधि के निलंबन के बाद भारत ने बगलिहार बांध से जल प्रवाह रोका : सूत्र

नई दिल्ली/भाषा। भारत ने चिनाब नदी पर बगलिहार बांध के माध्यम से पानी के प्रवाह को रोक दिया है और झेलम नदी पर बने किशनगंगा बांध को लेकर भी इसी तरह के कदम उठाने की योजना बना रहा है। एक सूत्र ने यह जानकारी दी। मामले की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने बताया कि जम्मू के रामबन में बगलिहार जलविद्युत बांध और उत्तरी कश्मीर में किशनगंगा जलविद्युत बांध भारत को पानी छोड़ने के समय को विनियमित करने की क्षमता देते हैं।

भारत ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादी हमले के बाद दशकों पुरानी संधि को निलंबित करने का निर्णय लिया। इस हमले में 26 लोगों की मौत हो गई थी जिनमें अधिकतर पर्यटक थे।

विश्व बैंक की मध्यस्थता से की गई सिंधु जल संधि ने 1960 से भारत और पाकिस्तान के बीच सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों के उपयोग को नियंत्रित किया है।

हरियाणा और केंद्र सरकार हमारा पानी 'लूटने' की कोशिश कर रहे हैं : धालीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब सरकार के मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल ने रविवार को कहा कि उनका राज्य हरियाणा को एक बूंद भी पानी नहीं देगा और उन्होंने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र एवं हरियाणा सरकार पर इसे 'लूटने' की कोशिश करने का आरोप लगाया।

धाालीवाल का यह बयान हरियाणा में सर्वदलीय बैठक के एक दिन बाद आया है, जिसमें पंजाब सरकार से बिना शर्त पानी छोड़ने को कहा गया था। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब की आम आदमी पार्टी (आप) सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था कि भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) के पानी छोड़ने के निर्देश का पालन न करना 'असंवैधानिक, अमानवीय' एवं संविधान के संघीय ढांचे पर हमला है। पंजाब एवं हरियाणा के बीच जल बंटवारे का मुद्दा आप सरकार द्वारा अपने पड़ोसी राज्य को और पानी देने से इनकार करने और भाजपा सरकार के उन बयानों के साथ बढ़ गया है कि वह हरियाणा के 'पानी के उचित हिस्से' की रक्षा करेगी। पंजाब के प्रवासी मामलों के मंत्री धालीवाल ने रविवार को कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान राज्य के

हिस्से के पानी के लिए लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, ''जिस तरह घर का मुखिया परिवार चलाने के लिए एक-एक रुपया बचाता है, उसी तरह पंजाब के नेता भगवंत सिंह मान अपने किसानों और पंजाबियों के लिए पानी की एक-एक बूंद बचा रहे हैं, और पड़ोसी भाजपा सरकार इसे अवैध रूप से लूटने की कोशिश कर रही है।''

धालीवाल ने कहा, ''मैं अपने नेता के साथ खड़ा हूं। हम पानी की एक भी बूंद नहीं देंगे।''

पंजाब सरकार के मंत्री ने भाखड़ा बांध से पानी लेने की कोशिश के लिए केंद्र पर निशाना साधा। धालीवाल ने कहा, ''ऐसा नहीं होगा। पानी का इस्तेमाल पंजाब के किसानों और कृषि क्षेत्र के लिए किया जाएगा। हमारे पास पानी नहीं है, हम और पानी नहीं दे सकते।'' मंत्री ने कहा, ''यह पानी हमसे छीना जा रहा है। हम पंजाबी हैं, पंजाब के बेटे हैं, हम केंद्र और हरियाणा को पानी की एक बूंद भी नहीं छीनने देंगे।''

इस साल जल बंटवारे का मुद्दा तब शुरू हुआ जब आप शासित पंजाब ने हरियाणा को और पानी देने से इनकार कर दिया और दावा किया कि उसने 'आवंटित पानी का 103 प्रतिशत मार्च तक इस्तेमाल कर लिया है।'

पंजाब सरकार ने हरियाणा को अधिक पानी देने के भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड के फैसले पर कड़ी आपत्ति जताई है।

आप सरकार ने यह भी कहा है कि उसे आगामी धान की बुआई के लिए पानी की जरूरत है, इसलिए उसके पास एक भी अतिरिक्त बूंद नहीं है।

पेयजल सेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के संगठन कर्नाटक मारवाड़ी समाज द्वारा बढ़ती गर्मी को देखते हुए रविवार को अध्यक्ष विकाश बालोदिया की अगुवाई में शहर के वीवी पुरम में ठंडे पेयजल की जलसेवा शुरू की गई। इस कार्य में विजय बांका का विशेष सहयोग रहा। पिंटू अग्रवाल ने रोजाना मटकों में ठंडा जल उपलब्ध कराने सेवा की जिम्मेदारी ली। इस अवसर पर बिमल सारावगी, सुभाष भगेरिया, मनोज पोद्दार, संदीप पोद्दार, तरुण चांदगोठिया, राकेश जिंदल, अभिमन्यु छापोलिया और रिंकेश बारोलिया आदि उपस्थित थे।

पानी मुद्दे पर केंद्र सरकार पंजाब सरकार को स्पष्ट निर्देश क्यों नहीं दे रही : सुरजेवाला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। पंजाब और हरियाणा जल बंटवारे को लेकर जारी गतिरोध के बीच कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने रविवार को इस मुद्दे पर केंद्र की चुप्पी पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि केंद्र भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार को निर्देश दे कि वह हरियाणा के पानी के आवंटन में कोई बाधा उत्पन्न न करे। हरियाणा के कांग्रेस नेता सुरजेवाला ने यहां संवाददाता सम्मेलन में भाखड़ा बांध पर पंजाब पुलिसकर्मियों की कथित तैनाती का भी जिक्र किया और दावा किया कि इससे हरियाणा को पानी छोड़ने में बाधा उत्पन्न हो रही है। उन्होंने मांग की कि केंद्र को इसे ''अवैध कब्जे'' से मुक्त कराना चाहिए।

राज्यसभा सदस्य सुरजेवाला ने पूछा कि आखिर क्या कारण है कि नरेन्द्र मोदी नीत सरकार संविधान के अनुच्छेद 257 (कुछ मामलों में राज्यों पर केंद्र के नियंत्रण से संबंधित) के तहत मान सरकार को लिखित आदेश जारी नहीं कर रही है। कांग्रेस नेता ने सवाल किया कि केंद्र सरकार हरियाणा का पानी न रोकने का निर्देश क्यों नहीं देती। उन्होंने मांग की कि मोदी सरकार को भाखड़ा-नांगल बांध परियोजना की सुरक्षा केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) को सौंप देनी चाहिए। पानी के बंटवारे को लेकर

पंजाब और हरियाणा के बीच गतिरोध शनिवार को और बढ़ गया, जब पंजाब सरकार ने भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड (बीबीएमबी) की बैठक का बहिष्कार किया और हरियाणा में एक सर्वदलीय बैठक में मान सरकार से बिना शर्त पानी छोड़ने को कहा गया। आम आदमी पार्टी (आप) शासित पंजाब ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित हरियाणा को और अधिक पानी देने से इनकार कर दिया है और दावा किया है कि पड़ोसी राज्य ने ''मार्च तक आवंटित पानी का 103 प्रतिशत इस्तेमाल कर लिया है।''

केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने शुक्रवार को बीबीएमबी के उस निर्णय का समर्थन किया था, जिसमें राज्य की तत्काल जल आवश्यकताओं को पूरा करने के वास्ते अगले आठ दिन के लिए भाखड़ा बांध से हरियाणा को 4,500 क्यूसेक अतिरिक्त पानी छोड़ने का निर्णय लिया गया था। पंजाब में जनवरी 2027 में विधानसभा चुनाव होने का जिक्र करते हुए सुरजेवाला ने दावा किया कि ''जानबूझकर चुप्पी साधकर और कार्रवाई न करके, भाजपा भगवंत मान को हीरो बनाने की कोशिश कर रही है, ताकि किसी भी कीमत पर कांग्रेस को पंजाब में सत्ता में आने से रोका जा सके।'' उन्होंने कहा, ''भाखड़ा नांगल बांध के पानी को लेकर जानबूझकर विवाद पैदा किया गया, जबकि यह पूरी तरह से टाला जा सकता था। तथ्य यह है कि इस समय बांध में 1,556 फुट पानी है। मापदंडों के अनुसार बांध का जलस्तर न्यूनतम 1,506 फुट तक बनाए रखा जाना चाहिए।''

सुरजेवाला ने आरोप लगाया, ''अगर हरियाणा को प्रतिदिन 8500 क्यूसेक पानी दिया जाता है तो 21 मई तक बांध का वर्तमान जलस्तर 1556 फुट से घटकर मात्र 1532 फुट रह जाएगा जो न्यूनतम स्तर से काफी ऊपर है। तो ऐसी स्थिति में किसी राज्य को क्या आपत्ति हो सकती है? लेकिन जानबूझकर आपत्तियां पैदा की जा रही हैं ताकि भाजपा मान की डूबती नैया को सहारा दे सके।'' उन्होंने दावा किया कि हरियाणा में विशेषकर कैथल, कुरुक्षेत्र, जींद, फतेहाबाद, रेवाड़ी, महेंद्रगढ़ और सिरसा जिलों में स्थिति गंभीर है। उन्होंने कहा कि गर्मी के कारण गांवों के तालाब लगभग सूख गए हैं और मवेशी प्यास से मरने के कगार पर हैं। उन्होंने दावा किया कि टैंकर माफिया हर जगह मौजूद हैं और वे प्रति टैंकर 1,000 रुपए वसूल रहे हैं।

कृषि मंत्री ने पहली जीनोम-संवर्धित चावल किस्मों का अनावरण किया, उपज 30 प्रतिशत तक बढ़ेगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) द्वारा विकसित पहली जीनोम संवर्धित चावल किस्मों- 'डीआरआर धान 100 (कमला) और पूसा डीएसटी चावल 1' का अनावरण किया।

इन किस्मों से जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों का समाधान करने के साथ-साथ चावल की पैदावार को 30 प्रतिशत तक बढ़ाया जा सकेगा।

चौहान ने कहा, यह हमारे लिए एक महत्वपूर्ण दिन है... जल्द ही, चावल की ये किस्में किसानों को उपलब्ध करा दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि नई किस्मों से चावल की पैदावार 20-30 प्रतिशत बढ़ जाएगी, जल संरक्षण होगा और चावल की खेती से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी आएगी।

इन किस्मों को आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, पुडुचेरी, बिहार, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, ओडिशा, झारखंड, बिहार और पश्चिम बंगाल सहित प्रमुख चावल उत्पादक राज्यों के लिए अनुशंसित किया गया है।

वैज्ञानिकों ने इन दोनों किस्मों को दो व्यापक रूप से उगाए जाने वाले चावल प्रकार - सांबा महसूरी (बीपीटी5204) और एमटीयू1010 (कॉटनडोरा सन्नालू) को बेहतर तनाव सहिष्णुता, उपज और जलवायु अनुकूलनशीलता के साथ विकसित किया, जबकि उनकी मूल शक्तियों को बरकरार रखा।

दोनों किस्में बेहतरीन सूखे की सहनीयता और उच्च नाइट्रोजन-उपयोग दक्षता प्रदर्शित करती हैं।

मंत्री ने कहा कि डीआरआर धान 100 (कमला) अपनी मूल किस्म की तुलना में लगभग 20 दिन पहले (130 दिन) पक जाती है, जिससे जल्दी कटाई संभव हो जाती है और फसल चक्र या कई फसल चक्रों की संभावना होती है। डीआरआर धान 100 (कमला) की कम अवधि किसानों को तीन सिंचाई बचाने की सुविधा देती है। उन्होंने कहा कि 50 लाख हेक्टेयर में दोनों किस्मों की खेती से 45 लाख टन अतिरिक्त धान का उत्पादन हो सकता है।

मंत्री ने कहा, भारत उन्नत प्रौद्योगिकियों की खोज करके कृषि क्षेत्र को विकसित किए बिना विकसित राष्ट्र का लक्ष्य हासिल नहीं कर सकता। उन्होंने आईसीएआर के वैज्ञानिकों से देश की आयात निर्भरता को कम करने के लिए दलहन और तिलहन की बेहतर किस्में विकसित करने का आह्वान किया।

ये जीनोम-संवर्धित चावल की किस्में भारत की कृषि जैव प्रौद्योगिकी में एक बड़ी प्रगति का प्रमाण हैं, जो जलवायु परिवर्तन और खाद्य सुरक्षा की दोहरी चुनौतियों के लिए व्यावहारिक समाधान पेश करती हैं।

अंगोला के राष्ट्रपति ने भारतीय कंपनियों को निर्यात अवसर तलाशने के लिए आमंत्रित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अंगोला के राष्ट्रपति जोआओ मैनुअल गोंसाल्वेस लौरेंको ने रविवार को भारतीय उद्योगों को उनके देश में ऐसे अवसर तलाशने के लिए आमंत्रित किया, जो अफ्रीकी राष्ट्र को उनकी निर्यात रणनीतियों के केंद्र में रख सकें। उन्होंने कृषि, फार्मास्युटिकल और नवीकरणीय ऊर्जा सहित आपसी सहयोग के क्षेत्रों पर प्रकाश डाला।

वर्तमान में भारत की यात्रा पर आए गोंसाल्वेस ने दक्षिणी अफ्रीकी विकास समुदाय (एसएडीसी) और अफ्रीकी महाद्वीपीय मुक्त व्यापार क्षेत्र (एएफसीएफटीए) के माध्यम से क्षेत्रीय बाजारों तक विशेष पहुंच के साथ अंगोला की रणनीतिक स्थिति पर प्रकाश डाला। वह यहां भारत-अंगोला व्यापार मंच को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अंगोला और भारत के बीच संबंध एक ठोस कानूनी और संस्थागत आधार पर बने हैं, जो दशकों के सहयोग से विकसित हुए हैं। स्वास्थ्य, ऊर्जा,

वित्तीय सेवाओं और कूटनीतिक गतिशीलता जैसे क्षेत्रों में मौजूदा द्विपक्षीय समझौते एक संरचित, पारदर्शी और पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी के लिए दोनों देशों की प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं। राष्ट्रपति ने कहा, हम भारतीय उद्यमियों को इन लॉजिस्टिक्स अवसरों का पता लगाने के लिए आमंत्रित करते हैं, जो अंगोला को अफ्रीका और व्यापक विश्व, दोनों के लिए अपनी निर्यात रणनीतियों के केंद्र में रख सकते हैं। उन्होंने सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों के बारे में बात की, जिसमें फार्मास्युटिकल उद्योग, कृषि क्षेत्र और नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र शामिल हैं। विदेश और पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने कहा, ऐसे कई प्राथमिकता वाले क्षेत्र हैं जहां हम सहयोग को और गहरा कर सकते हैं।

पवन ऊर्जा क्षेत्र 100 गीगावाट क्षमता के लिए प्रौद्योगिकी, कार्यबल में कर रहा निवेश : उद्योग निकाय

नई दिल्ली/भाषा। भारत का पवन ऊर्जा क्षेत्र 2030 तक 100 गीगावाट उत्पादन क्षमता हासिल करने के लिए क्षमता, प्रौद्योगिकी नवोन्मेषण और कार्यबल विकास में निवेश कर रहा है। उद्योग निकाय आईडब्ल्यूटीएमए ने रविवार को यह बात कही है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण की मार्च 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, वर्तमान में देश में 50 गीगावाट से अधिक की स्थापित पवन ऊर्जा क्षमता है। भारतीय पवन टर्बाइन निर्माता संघ (आईडब्ल्यूटीएमए) के सीईओ आदित्य प्यासी ने कहा, ''भारतीय पवन उद्योग सरकार के स्वच्छ ऊर्जा दृष्टिकोण के साथ पूरी तरह से जुड़ा हुआ है। हम 2030 तक 100 गीगावाट पवन ऊर्जा उत्पादन हासिल करने के लिए क्षमता, प्रौद्योगिकी, नवाचार और कार्यबल विकास में निवेश कर रहे हैं।''

एक बार नक्सलवाद का खात्मा होने पर बस्तर छत्तीसगढ़ के मुकुट का मणि होगा : मुख्यमंत्री साय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार को भविष्यवाणी की कि नक्सल प्रभावित बस्तर क्षेत्र अगले 10 वर्षों में छत्तीसगढ़ के मुकुट का मणि होगा और यह पर्यटन केंद्र तथा प्रदेश का सबसे विकसित क्षेत्र बन जाएगा। उन्होंने कहा कि बस्तर में नक्सलियों के खिलाफ चल रही मुहिम रंग ला रही है और विश्वास जताया कि केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह द्वारा तय की गई समयसीमा मार्च 2026 तक इस समस्या का खत्म कर दिया जाएगा।

बस्तर पूर्व में एक अलग जिला था लेकिन अब यह दक्षिणी छत्तीसगढ़ के सात जिलों का एक संभाग है, जिसकी सीमाएं तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, ओडिशा और महाराष्ट्र से लगी हैं। साय ने

कहा कि सभी राज्यों के सुरक्षा बलों ने मिलकर संयुक्त कार्य बल बनाया है जो नक्सलियों पर लगाम कसने के लिए मिलकर काम कर रहा है।

साय 16 महीने पुरानी सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि हिंसा करने वालों पर कठोरता और मुख्यधारा में आने वालों को प्रोत्साहन देने की नीति के साथ सरकार नक्सलवाद का सफाया करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सल के सफाए के बाद सरकार लघु वनोपज प्रसंस्करण उद्योगों, पशुपालन और पर्यटन के विकास के माध्यम से संसाधन संपन्न क्षेत्र के विकास पर ध्यान केंद्रित करेगी। बस्तर एक हरा-भरा वन क्षेत्र है, जो चित्रकोट जलप्रपात के लिए प्रसिद्ध है, जिसे देश का सबसे सुंदर और चौड़ा जलप्रपात कहा जाता है। इसे अक्सर एशिया का नियाग्रा कहा जाता है। मुख्यमंत्री ने साक्षात्कार में कहा कि बस्तर के अधिकांश हिस्से नक्सलियों से मुक्त हैं, नक्सली केवल सीमावर्ती क्षेत्रों में केंद्रित हैं, लेकिन इसकी वजह से पूरे राज्य की छवि खराब है। साय ने हालांकि, स्पष्ट किया कि बस्तर क्षेत्र में कोई जबरन औद्योगिकीकरण नहीं किया जाएगा और यह कार्य स्थानीय लोगों से परामर्श करने और उन्हें विश्वास में लेने के बाद किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''नक्सलवाद छत्तीसगढ़ पर एक धब्बा है और एक बार यह मिट जाए तो राज्य की सुंदरता उभर कर सामने आएगी।

माओवादियों से बातचीत का सवाल ही नहीं : केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार

हैदराबाद/भाषा। केंद्रीय मंत्री बंदी संजय कुमार ने माओवादियों के साथ शांति वार्ता की संभावना से इनकार करते हुए रविवार को कहा कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) एक प्रतिबंधित संगठन है और इसके सदस्यों को हथियार डालकर पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करना चाहिए। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने करीमनगर में संवाददाताओं से कहा, ''यह एक प्रतिबंधित संगठन है और उसके साथ बातचीत करने का कोई सवाल ही नहीं है।''

संजय कुमार ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए आश्चर्य जताया कि हथियार रखने वाले किसी भी व्यक्ति से सामाजिक दृष्टिकोण से कैसे संपर्क किया जा सकता है। रेवंत रेड्डी ने बयान में कहा था कि उनकी सरकार नक्सलवाद को कानून और व्यवस्था के मुद्दे के रूप में देखने के बजाय सामाजिक दृष्टिकोण से देखती है। कुमार ने कहा कि यह कांग्रेस सरकार थी जिसने भाकपा (माओवादी) पर प्रतिबंध लगाया था और जानना चाहा कि क्या रेवंत रेड्डी सरकार में इसे हटाने का साहस है। भारत राष्ट्र समिति के अध्यक्ष के चंद्रशेखर राव द्वारा केंद्र से 'ऑपरेशन कगार' रोकने के आह्वान पर प्रतिक्रिया देते हुए संजय कुमार ने कहा कि कांग्रेस और बीआरएस अब सरकार से शांति वार्ता करने का आग्रह करने में एक-दूसरे से प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं।

बदरीनाथ मंदिर परिसर में कांग्रेस विधायक की जेब कटी

बदरीनाथ/भाषा। बदरीनाथ धाम के रविवार को कपाट खुलने के दौरान मौके पर मौजूद कांग्रेस के विधायक लखपत बुटोला की जेब कट गयी और उनके करीब 50 हजार रुपए चोरी हो गए।

सर्दियों में छह माह बंद रहने के बाद सुबह छह बजे मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए । इस अवसर पर भगवान के दर्शन के लिए बदरीनाथ के विधायक बुटोला भी सपरिवार मंदिर पहुंचे थे । इसी दौरान किसी ने उनकी जेब काट दी ।

बड़ी संख्या में पुलिस बल की मौजूदगी के बावजूद पहले दिन ही बदरीनाथ में यह घटना हुई।

विमान में शराब के नशे में यात्री ने एयर होस्टेस से छेड़छाड़ की

मुंबई/भाषा। महाराष्ट्र में दिल्ली-शिरडी उड़ान के दौरान शराब के नशे में धुत एक पुरुष यात्री ने एयर होस्टेस से कथित तौर पर छेड़छाड़ की। पुलिस ने यह जानकारी दी। इंडिगो के विमान के शुक्रवार दोपहर शिरडी हवाई अड्डे पर उतरने के बाद आरोपी को हिरासत में ले लिया गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यात्री ने विमान के शौचालय के पास एयर होस्टेस को गलत तरीके से छुआ। अधिकारियों ने कहा कि एयर होस्टेस ने इस बारे में चालक दल के प्रबंधक को जानकारी दी।

आईआईटी, गुवाहाटी ने शैवाल से हरित ईंधन बनाने के लिए जैव-रिफाइनरी विकसित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), गुवाहाटी के अनुसंधानकर्ताओं ने अभिनव सूक्ष्म शैवाल जैव-रिफाइनरी मॉडल विकसित किए हैं, जो अपशिष्ट जल को स्वच्छ ऊर्जा में बदल सकते हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

यह नवोन्मेषी परियोजना बड़े पैमाने पर रिएक्टर प्रणालियों, उन्नत टिकाऊ ताप-रासायनिक रूपांतरण प्रक्रियाओं और हरित रसायन विज्ञान को जोड़ती है, जिससे घरेलू और औद्योगिक अपशिष्ट जल का उपचार करते हुए जैव ईंधन का उत्पादन किया जा सकता है।

शोध टीम ने 10 से अधिक सूक्ष्म शैवाल प्रजातियों की पहचान की और उनका आनुवंशिक अनुक्रमण किया, जिससे अपशिष्ट जल से 85 प्रतिशत तक प्रदूषक हटाए जा सकते हैं।

रासायनिक इंजीनियरिंग विभाग के प्रोफेसर कौस्तुभ मोहंती ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''प्रक्रिया को कुशल और लागत प्रभावी बनाने के लिए हमने बड़े पैमाने पर फोटोबायोरिएक्टर बनाए हैं, जो शैवाल की वृद्धि को अधिकतम करते हैं। टीम ने अपशिष्ट से ऊर्जा बनाने वाली एक प्रणाली भी तैयार की है, जो जैव-कच्चा तेल के रूप में है, जो पेट्रोलियम जैसा ईंधन है। इसका उत्पादन करने के लिए एकत्रित शैवाल और सीवेज कीचड़ दोनों का उपयोग किया जाता है।''

उन्होंने कहा, ''यह एक अवधारणा को सिद्ध करने का कार्य है, जहां हमने प्रदर्शित किया है कि कैसे सूक्ष्म शैवाल अपशिष्ट जल को उपचारित कर सकते हैं और साथ ही जैव-रिफाइनरी और 'सर्कुलर बायो-इकोनॉमी' दृष्टिकोण के तहत जैव ईंधन का उत्पादन कर सकते हैं। हमने विभिन्न प्रक्रियाएं भी विकसित की हैं, जहां जैव-रिफाइनरी के तहत उत्पन्न होने वाले सभी ठोस और तरल अपशिष्टों को पुनः चक्रित किया जाता है, पुनः उपयोग किया जाता है और जैव ईंधन में परिवर्तित किया जाता है। अब, हम इस कार्य को आगे बढ़ाने की योजना बना रहे हैं।''

'पहलगाम हमला करने वाले आतंकी 'जाहिल' लेकिन घटना को लेकर मुस्लिमों को निशाना बनाना गलत'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। जमीयत उलेमा-ए-हिंद (एएम) के प्रमुख मौलाना अरशद मदनी ने पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले में सैलानियों को मजहब पूछकर मारने वाले आतंकवादियों को 'जाहिल' बताते हुए रविवार को कहा कि इस्लाम किसी भी बेगुनाह के कत्ल की इजाजत नहीं देता है और इस हमले की आड़ में मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाना भी गलत है।

मौलाना मदनी ने कहा कि पहलगाम हमले के बाद कश्मीर में जिन लोगों के घर ढहाए गए हैं और सरकार को अगर 100 फीसदी यकीन' है कि वे इसमें शामिल थे, तो यह कार्रवाई बिल्कुल ठीक है। पाकिस्तान का नाम लिए बिना उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में ऐसे किसी आतंकी हमले को रोकने के लिए सरकार को इसके स्रोत को बंद करना होगा।

जमीयत (एएम) की दो दिवसीय कार्य समिति की बैठक के बाद यहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि पहलगाम में हमला करने वाले आतंकवादी इस्लाम के बारे में कुछ नहीं जानते और वे 'जाहिल हैं क्योंकि इस्लाम बेगुनाह के कत्ल की इजाजत नहीं देता। मदनी ने सुरक्षा चूक के सवाल पर कहा कि सरकार इसकी जांच कराए कि सीमा के भीतर इतना बड़ा हमला कैसे हो गया। उन्होंने पाकिस्तान का नाम लिए बिना कहा कि सरकार को आतंकवाद के उस स्रोत को रोकना चाहिए जहां से यह हो रहा है। पहलगाम हमले के बाद देश के अलग- अलग हिस्सों में मुस्लिमों और कश्मीरी लोगों को निशाना बनाने की घटनाओं पर उन्होंने आरोप लगाया, यह सरकार की नीति है नफरत की, इसलिए वो ये कर रहे हैं। वरना ये नहीं होना चाहिए। अपने मुल्क में शांति कायम रखना चाहिए। जो लोग ऐसा कर रह रहे हैं वो लोग मुजरिम हैं। पहलगाम हमले के संदर्भ में उन्होंने कहा कि दोषियों को दी जाने वाली किसी भी सजा का वह समर्थन करेंगे लेकिन निर्दोष लोगों को निशाना बनाना सही नहीं है। हमले में पाकिस्तान की संलिप्तता संबंधी एक सवाल के जवाब में मदनी ने कहा कि किसी पर जुल्म के लिए अपनी जमीन, हथियारों और लोगों का इस्तेमाल किए जाने की वह निंदा करते हैं- फिर चाहे पाकिस्तान हो, अमेरिका, चीन या हिंदुस्तान ही क्यों न हो। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में आतंकवादियों ने 22 अप्रैल को 26 लोगों की हत्या कर दी थी जिनमें ज्यादातर सैलानी थे।

स्टालिन ने मृतकों के परिजनों को अनुग्रह राशि देने की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने रविवार को राज्य में दो अलग-अलग घटनाओं में मारे गए चार लोगों के परिजनों को तीन-तीन लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

नागराज (44) और उनकी पत्नी एन आनंदी (38) की तीन मई को तिरुपुर जिले में अपने दोपहिया वाहन से गिरने के बाद मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दंपति की 12 वर्षीय लड़की दीक्षा गंभीर रूप से घायल हो गई और उसे कोयंबटूर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। आधिकारिक विज्ञप्ति में मुख्यमंत्री स्टालिन ने दुख व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने अधिकारियों को घायल बच्ची की विशेष देखभाल और उपचार सुनिश्चित करने और उसके इलाज के लिए एक लाख रुपये जारी करने का आदेश दिया है। स्टालिन ने कहा कि

उन्होंने दोनों मृतकों नागराज और आनंदी के परिजनों को तीन-तीन लाख रुपये जारी करने का आदेश दिया है।

इसके अलावा मुख्यमंत्री ने शनिवार के एक हादसे में जान गंवाने वाले दो बच्चों (10 वर्षीय जयलक्ष्मी और पांच वर्षीय नितेश) के माता-पिता को तीन-तीन लाख रुपये देने का आदेश दिया। दोनों बच्चों की मौत कल्लकुरिची जिले के कूवगाम गांव (उलुंदुरपेट तालुक के अंतर्गत) में कूवगाम झील में दुर्घटनावश डूबने से हुई थी। मुख्यमंत्री ने मृतकों के प्रति शोक व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

स्टालिन ने सिंगापुर के आम चुनाव में जीत पर सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग को बधाई दी

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने सिंगापुर के आम चुनाव में पीपुल्स एक्शन पार्टी को शानदार जीत दिलाने के लिए प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग को रविवार को बधाई दी। स्टालिन ने एक्स पर पोस्ट में कहा, प्रधानमंत्री थिरु लॉरेंस वोंग को पीपुल्स एक्शन पार्टी को लगातार 14वीं बार और एक नेता के रूप में पहली बार आम चुनाव में जीत दिलाने तथा सिंगापुर की जनता से शानदार जनादेश प्राप्त करने पर बधाई। तमिल समुदाय के साथ उनका निरंतर जुड़ाव और तमिल भाषा एवं संस्कृति को बनाए रखने के प्रयास सिंगापुर की समावेशी भावना को दर्शाते हैं। सिंगापुर की संसद के सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाएं। वोंग के दल पीपुल्स ऐक्शन पार्टी (पीएपी) ने शनिवार को सिंगापुर के आम चुनाव में 97 संसदीय सीट में से 87 सीट हासिल कर भारी जीत दर्ज की। वह सिंगापुर में फिर से सत्ता संभालेंगे।

पहलगाम आतंकी हमले पर केंद्र की किसी भी कार्रवाई का समर्थन करेगी कांग्रेस : प्रियंका गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने रविवार को कहा कि उनकी पार्टी पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के जवाब में केंद्र सरकार की किसी भी कार्रवाई का पूरा समर्थन करेगी। प्रियंका ने कहा कि कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) ने पहले ही इस रुख की पुष्टि करते हुए एक प्रस्ताव पारित कर दिया है। वायनाड की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान कांग्रेस सांसद ने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार पहलगाम हमले के मद्देनजर तेजी से कार्रवाई करेगी

प्रियंका ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''कांग्रेस पार्टी...सीडब्ल्यूसी की बैठक हुई और हमने एक प्रस्ताव पारित किया। प्रस्ताव में हमने कहा है कि सरकार जो भी कदम उठाने का फैसला करेगी, हम उसके साथ हैं। और हमें उम्मीद है कि वे जल्द ही कदम उठाएंगे।'' कांग्रेस ने पहलगाम हमले की पृष्ठभूमि में शुक्रवार को केंद्र से पाकिस्तान को लगातार आतंक का निर्यात करने के लिए दंडित करने के वास्ते दृढ़ता से काम करने का आग्रह किया और कहा कि यह एक राष्ट्र के रूप में पाकिस्तान को 'सबक सिखाने' के लिए हमारी सामूहिक इच्छाशक्ति दिखाने का समय है। कांग्रेस ने राष्ट्रीय एकता और दृढ़ संकल्प का आह्वान करते हुए देश के सबसे अधिक सुरक्षा वाले क्षेत्रों में से एक में सुरक्षा और खुफिया जानकारी में 'गंभीर चूक' के

लिए 'समयबद्ध जवाबदेही' तय करने की जरूरत को भी रेखांकित किया। विपक्षी दल ने कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) द्वारा पारित एक प्रस्ताव में ये बातें कहीं।

सीडब्ल्यूसी की अध्यक्षता पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने की, जिसमें पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी तथा महासचिव जयराम रमेश, के सी वेणुगोपाल और प्रियंका गांधी वाद्रा सहित अन्य लोग शामिल हुए।

अन्नाद्रमुक ने भाजपा के साथ अपनी खुशी से गठबंधन किया : पलानीस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम' (अन्नाद्रमुक) के महासचिव ई. के. पलानीस्वामी ने कहा कि उनकी पार्टी ने 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनावों के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत केंद्र सरकार के साथ गठबंधन भयभीत होकर नहीं, बल्कि अपनी खुशी से किया।

पलानीस्वामी ने कहा कि अन्नाद्रमुक के लिए डरने की कोई बात नहीं है और वह प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) एवं आयकर विभाग जैसी केंद्रीय एजेंसियों से नहीं डरती।

पलानीस्वामी ने राज्य में सत्तारूढ़ द्रमुक के इस आरोप पर प्रतिक्रिया देते हुए यह टिप्पणी की कि केंद्र सरकार ने केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर अन्नाद्रमुक जैसी पार्टियों को डराया है ताकि उन पर भाजपा के साथ गठबंधन के लिए दबाव डाला जा सके।

पूर्व मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के मंत्री हताश हैं और ईडी

एवं आयकर विभाग से डरते हैं क्योंकि उन्होंने ''लूट का धन'' छिपा रखा है और वे इसे ठिकाने लगाने के तरीके के बारे में सोचते रहते हैं। उन्होंने दावा किया कि यही कारण है कि केंद्रीय एजेंसियां उन पर नजर रख रही है और इसलिए द्रमुक के मंत्रियों ने भयभीत होकर ऐसी बात कही।

पलानीस्वामी ने शनिवार को यहां एक जनसभा को संबोधित करते हुए यह आरोप लगाने के लिए मुख्यमंत्री एम के स्टालिन पर हमला बोला कि भाजपा सरकार में मीडिया की स्वतंत्रता छीन ली गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को अभिव्यक्ति की आजादी के बारे में बोलने का कोई हक नहीं है।

अन्नाद्रमुक नेता ने कहा कि हर कोई जानता है कि 'यूट्यूबर सवुक्कू' शंकर को द्रमुक और राज्य के मंत्रियों के खिलाफ टिप्पणी करने के लिए राज्य सरकार द्वारा किस तरह परेशान किया गया, ऐसे में स्टालिन का आरोप लगाना बेहद शर्मनाक है।

पलानीस्वामी ने अपनी पार्टी में गुटबाजी से इनकार करते हुए कहा कि उसका ध्यान पूरी तरह से लोगों के हितों पर है।

तिरुवारुर में भीषण सड़क हादसा, वैन-बस की टक्कर में 4 की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवारुर। तमिलनाडु के तिरुवारुर जिले के थिरुथुरैपोंडी क्षेत्र के करुवेप्पनचेरी गांव के पास रविवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ। इस हादसे में मौके पर ही चार लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा उस समय हुआ जब केरल से वेलनकन्नी जा रही एक ओमनी वैन की सरकारी बस से आमने-सामने टक्कर हो गई।

जानकारी के अनुसार, यह ओमनी वैन पर्यटकों को लेकर वेलनकन्नी जा रही थी। दूसरी तरफ, सरकारी बस नागपट्टिनम से रामनाथपुरम की ओर जा रही थी। करुवेप्पनचेरी के पास वैन और बस की आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि वैन सवार चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के बाद घायलों को तुरंत थिरुथुरैपोंडी के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, यह हादसा उस समय हुआ था, जब एक कार तिरुनेलवेली की ओर जा रही थी, जबकि दूसरी कार विपरीत दिशा से आ रही थी। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि तेज रफ्तार और लापरवाही इस दुर्घटना का मुख्य कारण हो सकता है। दोनों वाहनों की टक्कर इतनी जोरदार थी कि कारें पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गईं और यात्रियों को बचाने का कोई मौका नहीं मिला।

श्रीलंका ने तमिलनाडु के 25 मछुआरों को किया रिहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। श्रीलंकाई तटरक्षक बल द्वारा इस साल 23 फरवरी को गिरफ्तार किए गए तमिलनाडु के 25 मछुआरे श्रीलंका की एक अदालत से रिहाई के आदेश के बाद शनिवार को स्वदेश लौट आए।

दो महीने से ज्यादा हिरासत में रहने के बाद ये मछुआरे एयर इंडिया की फ्लाइट से कोलंबो से चेन्नई पहुंचे। मछुआरों को उनके गृहनगर तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार ने परिवहन की व्यवस्था की थी। रामेश्वरम के रहने वाले ये मछुआरे मोटर चालित नावों में मछली पकड़ने के लिए निकले थे और गलती से मंडपम क्षेत्र में पहुंच गए थे।

श्रीलंकाई तटरक्षक बल के गश्ती दल ने आधी रात में उन्हें रोका और आरोप लगाया कि मछुआरे पड़ोसी देश की समुद्री सीमा में प्रवेश कर गए हैं। मछुआरों को हिरासत में लेने के बाद में अदालत में पेश किया गया और जेल भेज दिया गया।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर को पत्र लिखकर मछुआरों की उनकी नावों के साथ रिहाई सुनिश्चित करने के लिए त्वरित कार्रवाई का आग्रह किया था। इसके बाद श्रीलंका में भारतीय उच्चायोग के अधिकारियों ने श्रीलंकाई अधिकारियों के साथ चर्चा की।

हाल ही में श्रीलंका की एक अदालत ने उनकी रिहाई का आदेश दिया, जिसके बाद मछुआरों को भारतीय उच्चायोग को सौंप दिया गया। उच्चायोग ने कोलंबो में रहने के दौरान मछुआरों के लिए उचित आवास सुनिश्चित किया, उन्हें आपातकालीन प्रमाणपत्र प्रदान किए और भारत लौटने के लिए विमान टिकट की व्यवस्था की।

मछुआरों के प्रमुख नेता वी.पी. सेसुराजा ने हिरासत में लिए गए मछुआरों के परिवारों के सामने आने वाली वित्तीय कठिनाई के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि उनमें से कई श्रीलंका द्वारा लगाए गए भारी जुर्माने का भुगतान करने में असमर्थ हैं।

फाजिल के परिजनों को मिले मुआवजे व हिंदू कार्यकर्ता की हत्या में 'संबंध' की जानकारी नहीं : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हावेरी। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने रविवार को कहा कि उन्हें ऐसी खबरों के बारे में जानकारी नहीं है जिनमें कहा गया है कि मोहम्मद फाजिल के परिजनों को दिए गए मुआवजे का इस्तेमाल कथित तौर पर हिंदू संगठन के कार्यकर्ता सुहास शेट्टी की हत्या में शामिल हत्यारे को सुपारी देने के लिए किया गया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह इस मामले पर गृह मंत्री परमेश्वर और दक्षिण कन्नड़ के जिला प्रभारी मंत्री दिनेश गुंडू राव से चर्चा करेंगे और अधिक जानकारी हासिल करेंगे। वर्ष 2022 में सूरतकल में नकाबपोश लोगों के एक गिरोह ने

फाजिल की हत्या कर दी थी। अपराध के कई मामलों में शामिल सुहास शेट्टी इस हत्याकांड का मुख्य आरोपी है। सिद्दरामय्या ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए कहा, मुझे इसकी जांच करानी होगी। मेरे पास कोई जानकारी नहीं है। कल दिनेश गुंडू राव और गृह मंत्री (जी परमेश्वर) वहां गए थे। मैंने अभी तक उनसे बात नहीं की है। मैं उनसे बात करने के बाद ही कुछ बता पाऊंगा। वह पुलिस जांच से संबंधित एक सवाल का जवाब दे रहे थे जिसमें खुलासा हुआ है कि 2022 में फाजिल की हत्या के बाद राज्य सरकार द्वारा उसके परिवार को दिए गए 25 लाख रुपये के मुआवजे में से पांच लाख रुपये कथित तौर पर सुहास शेट्टी को खत्म करने के लिए हत्यारों को सुपारी के तौर पर दिए गए थे। सुहास शेट्टी की शुक्रवार को हत्या कर दी गई थी। इस मामले में फाजिल के भाई समेत आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। सांप्रदायिक मुद्दों से निपटने के लिए कार्यबल (टास्क फोर्स) के गठन के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि परमेश्वर ने कहा है कि असामाजिक तत्वों की पहचान करने और उन्हें काबू में करने के लिए पुलिस की जरूरत है।

केंद्र सरकार महादयी परियोजना को पर्यावरण संबंधी मंजूरी नहीं दे रही : सिद्दरामय्या

हुब्बल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने रविवार को केंद्र सरकार पर महादयी नदी परियोजना के लिए पर्यावरण संबंधी मंजूरी रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह परियोजना उत्तर कर्नाटक क्षेत्र खासकर हुबली और धारवाड़ में जल संकट को हल करने के लिहाज से अहम है।

सिद्दरामय्या ने संवाददाताओं के साथ बातचीत में केंद्रीय खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री प्रह्लाद जोशी (जो धारवाड़ निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं) पर हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि भाजपा नेता परियोजना को पूरा करने के लिए कोई भी कदम उठाने में विफल रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, ''वह केंद्र में एक महत्वपूर्ण मंत्री हैं। उन्हें हमें पर्यावरण संबंधी मंजूरी दिलवानी चाहिए। हमने केंद्र से कितनी बार गुहार लगाई है। हमने केंद्र को पत्र लिख अपील की है और मैं तथा उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार कई बार नयी दिल्ली गए हैं।'' सर्वदलीय बैठक बुलाना समाधान का एक छोटा सा हिस्सा है और महादयी परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार को पर्यावरण संबंधी मंजूरी देनी चाहिए।

सवारी डिब्बा कारखाना

निविदा सूचना संख्या 2025472211777

निम्नलिखित ई-निविदा IREPS वेबसाइट पर प्रकाशित की गई है। पात्रता और अन्य नियमों और शर्तों की विस्तृत जानकारी के लिए, कृपया IREPS वेबसाइट https://www.ireps.gov.in देखें। निविदा के लिए मैनुअल ऑफ़र स्वीकार नहीं किए जाएँगे

क्रम सं.	निविदा संख्या	कार्य का नाम	निविदा की तिथि	
			बन्द होना	खुलना
01	2025472211777	D&D में उपलब्ध डेल T7920 वर्कस्टेशनों और अन्य कंप्यूटर हार्डवेयर के लिए CAMC है।	04.06.2025 15.00 बजे	04.06.2025 15.00 बजे के बाद

सवारी डिब्बा कारखाना

निविदा सूचना

निम्नलिखित ई-निविदाएँ IREPS वेबसाइट पर प्रकाशित की गई है। फर्मों से अनुरोध है कि वे www.ireps.gov.in पर लॉगइन करें और निविदा के लिए कोट करें। निविदा के लिए मैन्युअल कोटेशन स्वीकार नहीं किए जाएँगे।

क्रम सं.	निविदा संख्या	खुलानि विदाफाइल संदर्भ संख्या	कार्य का नाम	अनुसूची विवरण/मात्रा		निविदा बंद करने की तिथि एवं समय
01	2025471211793-ओटी 01-एल.ब.ए.ए	एमएस/सी/ओटी01/एलएचबी बोगी असेंबली ऐक्टिविटी/शेल/2025-26	शॉप-24 में एलएचबी बोगी असेंबली गनिविधियों की आउटसोर्सिंग	एलएचबी बोल्स्टर, फ्रेम असेंबली और कैलिपर असेंबली की असेंबली	840 कोच सेट	19.05.2025 को 15.00 बजे

सवारी डिब्बा कारखाना

निविदा सूचना संख्या 2025471211812

भारत के राष्ट्रपति और उनकी ओर से उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/परियोजना, सवारी डिब्बा कारखाना, चैन्ने-38 प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करता है:

कार्य का स्वरुप	सडिका के फर्निशिंग डिवीजन में शॉप-33 और 39 के दक्षिण में नए शेड में कंप्रेस्ड एअर के डिस्ट्रिब्यूशन के लिए एमएस पाइप लाइनों की आपूर्ति और इंस्टलेशन
निविदा सं.	2025471211812
निविदा मूल्य (जीएसटी @18% सहित)	रु.49,41,718/- (रुपये उन्चास लाख इकतालिस हजार सात सौ अठारह मात्र)
बयाना राशि	रू.98,800/- (अट्ठानवे हजार आठ सौ रुपये मात्र)
निविदा दस्तावेज़ शुल्क	रू.3,000/- (तीन हजार रूपए मात्र)
निविदा आमंत्रण प्राधिकारी	उप मुख्य यांत्रिक इंजीनियर/परियोजना, शेल डिवीजन, सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्ने - 38
ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथि और समय	28.05.2025 को 15.00 बजे तक

प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए बेवसाइट www.ireps.gov.in
निविदाकर्ताओं को यह भी सलाह दी जाती है कि किसी भी संशोधन/शुद्धिपत्र के लिए वेबसाइट की नियमित निगरानी करते रहें।
निविदा सूचना का हिंदी संस्करण www.indianrailways.gov.in वेबसाइट पर उपलब्ध है।

सवारी डिब्बा कारखाना

निविदा सूचना सं.सड़िका/बिजली/निर्माण/2025-26, दिनांक: 05.05.2025

भारत के राष्ट्रपति के लिए और उनकी ओर से उप मुख्य बिजली इंजीनियर/अनु/शेल, सवारी डिब्बा कारखाना निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं

निविदा सं.	कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य (रूपए लाख में)	बयाना राशि	निविदा बंद करने की तारिख और समय
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
2025245211813	ईएल-डब्ल्यू-898 AWTI मिनी ऑडिटोरियम में एयर कंडीशनिंग सुविधा का प्रावधान	19.97	40,000/-	26.05.2025 at 15.30 hrs.
2025245211814	ईएल-डब्ल्यू-899 विल्लीवक्कम यार्ड में रोड-3 पर 25kV एसी ओएचई इलेक्ट्रिफिकेशन की प्रावधान	47.54	95,100/-	26.05.2025 at 15.30 hrs.

आवेदन जमा करने की वेबसाइट: www.ireps.gov.in

चार-पांच लड़कों ने मुझे कन्नड़ में गाने के लिए धमकाया : सोनू निगम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। बेंगलूरु में हाल ही में एक कार्यक्रम के दौरान कन्नड़ समुदाय की भावनाएं आहत करने के आरोपों को लेकर अपने खिलाफ प्राथमिकी का सामना कर रहे प्रसिद्ध गायक सोनू निगम ने कहा है कि उन्हें कार्यक्रम के दौरान कुछ लड़कों ने कन्नड़ में गाना गाने के लिए धमकाया था। निगम ने लोगों से आग्रह किया कि वे कुछ लोगों की कृत्य की वजह से पूरे समुदाय को जिम्मेदार ना ठहराएं।

बेंगलूरु के अवलहल्ली पुलिस थाने में शनिवार को मशहूर गायक सोनू निगम के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। आरोप है कि ''एक दर्शक द्वारा कन्नड़ में गाने की मांग करने पर उन्होंने जवाब दिया, कन्नड़, कन्नड़... यही तो वजह है पहलगाम वाली घटना की।'' 'कर्नाटक रक्षण वेदिके' (केआरवी) के अध्यक्ष धर्मराज

अनंतैया ने अपनी शिकायत में कहा कि निगम ने न केवल कन्नड़ लोगों का अपमान किया है, बल्कि कन्नड़ गीत के अनुरोध को आतंकवादी कृत्य से जोड़कर उनके सांस्कृतिक गौरव और भाषाई पहचान की तुलना हिंसा और असहिष्णुता से की है। सोनू निगम ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट करके अपना पक्ष रखा। निगम ने कहा, वहां चार-पांच गुंडे किस्म के लोग थे जो जोर-जोर से 'कन्नड़-कन्नड़' चिल्ला रहे थे। कुछ लड़कियां उन्हें समझा रही थीं कि ऐसा मत करो, माहौल खराब हो रहा है। मैं उन चार-पांच लोगों को बस ये बताना चाहता था कि पहलगाम में जब आतंकवादियों ने हमला किया था, तब उन्होंने किसी से ये नहीं पूछा था कि वे कौन-सी भाषा बोलते हैं...।'' उन्होंने कहा, ''आपको उन्हें दर्शकों के रूप में एक कलाकार को गाने के लिए मजबूर करने की धमकी नहीं देनी चाहिए। एक कलाकार को दर्शकों के दबाव या डर के कारण गाने के लिए मजबूर नहीं किया जाना चाहिए। जो लोग दूसरों को भड़काते हैं, उन्हें उसी वक्त रोकना ज़रूरी है। अगर कोई नफरत के बीज उस जमीन पर बो रहा है, जहां हमेशा प्यार पनपा है, तो हमें उसे रोकना चाहिए।''

उन्होंने आगे कहा कि कन्नड़ लोग बहुत ही अच्छे होते हैं, इसलिए कुछ लोगों की हरकतों के आधार पर पूरे समुदाय को दोष देना ठीक नहीं। उन्होंने कहा, वहां सिर्फ चार-पांच लड़के थे जो मेरे पहले गाने के बाद मुझे गुस्से के साथ घूर रहे थे। वे गाना गाने की मांग नहीं कर रहे थे, बल्कि धमका रहे थे। आप चाहें तो वहां मौजूद लोगों से इस बारे में पूछ सकते हैं।

मंदिर कार्यक्रम में 'भड़काऊ भाषण' देने के लिए भाजपा विधायक पर मामला दर्ज

मंगलूरु। दक्षिण कन्नड़ जिले के थेक्कारु गांव में गोपालकृष्ण मंदिर में ब्रह्मकलशोत्सव (प्रतिष्ठा समारोह) के दौरान कथित रूप से भड़काऊ भाषण देने के आरोप में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक हरीश पुंजा के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता इब्राहिम एस. बी. ने आरोप लगाया है कि पुंजा ने मुस्लिम समुदाय के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की और अपने भाषण के माध्यम से कथित तौर पर सांप्रदायिक नफरत भड़काने का प्रयास किया। उक्त भाषण कथित तौर पर धार्मिक आयोजन के दौरान उपस्थित जनसमूह की उपस्थिति में दिया गया था।

शिकायत में कहा गया है कि भाषण की विषय-वस्तु धार्मिक समुदायों के बीच मतभेद पैदा कर सकती है तथा क्षेत्र में सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ सकती है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय न्याय सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 196 और 352(2) के तहत मामला दर्ज किया है। बीएनएसएस नयी भारतीय आपराधिक संहिता है, जिसने हाल ही में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) का स्थान लिया है।

गृह मंत्री परमेश्वर ने हिंदू कार्यकर्ता की हत्या की एनआईए जांच की मांग ठुकराई

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने मंगलूरु में हिंदूवादी कार्यकर्ता की हत्या मामले की जांच राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से कराने संबंधी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की मांग रविवार को खारिज कर दी। कुख्यात बदमाश एवं हिंदूवादी कार्यकर्ता शेट्टी की बृहस्पतिवार देर शाम मंगलूरु शहर के बाजपे थाना क्षेत्र में अज्ञात लोगों के एक समूह ने हत्या कर दी थी।

परमेश्वर ने यहां संवाददाताओं से कहा, यह उनकी (भाजपा की) राय है। हमारा मानना है कि हमारी पुलिस अपना काम बहुत अच्छे से कर रही है। इस सिलसिले में आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है और जांच जारी है। उन्होंने कहा कि इस समय मामले को एनआईए को सौंपने की कोई जरूरत नहीं है। जब उनसे पूछा गया कि सरकार की ओर से कोई भी व्यक्ति शोक संतप्त परिवार के सदस्यों से मिलने क्यों नहीं गया तो परमेश्वर ने कहा कि शेट्टी के खिलाफ पांच आपराधिक मामले दर्ज हैं। मंत्री ने कहा, ''कृपया जान लें कि यह हत्या का मामला है। उनके खिलाफ पांच आपराधिक मामले दर्ज थे। यही कारण है कि सरकार से कोई भी, मेरा मतलब है कि जनप्रतिनिधि, चाहे मैं या कोई और, उनसे नहीं मिला।'' हालांकि, उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि परिवार को न्याय मिले। परमेश्वर ने बताया, हमने अपना काम पहले ही कर लिया है और आठ लोगों को गिरफ्तार किया है। परमेश्वर ने यह भी कहा कि सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील तटीय कर्नाटक क्षेत्र में स्थायी रूप से एक सांप्रदायिक विरोधी टास्क फोर्स का गठन किया जाएगा। गिरफ्तार किए गए लोगों में अब्दुल सफवान, नियाज अहमद, मोहम्मद मुजम्मिल, खलंदर शफी, आदिल महरूज मोहम्मद रिजवान, रंजीत और नागराज शामिल हैं। हत्या के बाद विश्व हिन्दू परिषद ने शुक्रवार को बंद का आह्वान किया और मंगलूरु शहर में दुकानें बंद रहीं।

राजस्थान अब कॉन्सर्ट पर्यटन के क्षेत्र में भी तेज़ी से उभर रहा है, जो निवेश के खोल रहा है नए द्वार : दीया कुमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। भारत सरकार के पर्यटन मंत्रालय ने राजस्थान सरकार के पर्यटन विभाग और फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के सहयोग से 14वें ग्रेट इंडियन ट्रैवल बाजार (जीआईटीबी) के अवसर पर जयपुर, राजस्थान में 'मीट इन इंडिया' कॉन्क्लेव का आयोजन किया। इस मौके पर भारत सरकार के पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कॉन्क्लेव को संबोधित किया और कहा कि भारत का मीटिंग, इन्सेन्टिव्ज, कॉन्फ्रेंस और एग्जीबिशंस (चखउए) उद्योग उच्च गुणवत्ता वाली नौकरियां पैदा करने वाला एक प्रमुख आर्थिक चालक बनने के लिए तैयार है।

कॉन्क्लेव में संबोधित करते हुए, शेखावत ने कहा, भारत का चखउए उद्योग तेजी से एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में उभर रहा है, जिसे मजबूत आर्थिक विकास, विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और मजबूत सरकारी समर्थन से बल मिल रहा है। देश भर के राज्य अपने-अपने अनूठे तरीकों से पर्यटन के अवसरों का लाभ उठा रहे हैं - और अब समय आ गया है कि भारत वैश्विक चखउए मानचित्र पर अपनी स्थिति मजबूत करे।

भारत मंडपम, यशोभूमि और जियो वर्ल्ड सेंटर जैसे प्रतिष्ठित स्थलों और इन्क्रेडिबल इंडिया कैम्पेन के तहत चखउए को प्राथमिकता देने के साथ, हमारा लक्ष्य कम से कम 10 भारतीय शहरों को दुनिया के शीर्ष चखउए स्थलों में शामिल कराना है। पर्यटन मंत्री ने चखउए क्षेत्र में देश की बढ़ती संभावनाओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व से प्रेरित होकर तथा राजस्थान जैसे राज्यों की विरासत और नवाचार के माध्यम से अग्रणी भूमिका के साथ, भारत दुनिया का सबसे प्रशंसित पर्यटन और आयोजन स्थल बनने की ओर अग्रसर है।

नीति आयोग के उपाध्यक्ष सुमन बेरी ने इस बात पर जोर दिया कि पर्यटन और आतिथ्य दुनिया के सबसे बड़े रोजगार सृजनकर्ताओं में से हैं। उन्होंने भारत की युवा, महत्वाकांक्षी अर्थव्यवस्था में उच्च गुणवत्ता वाली, कौशल-प्रधान नौकरियां सृजित करने के लिए इस क्षेत्र की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डाला। केवल बुनियादी ढांचे के विकास से आगे बढ़कर व्यापक प्रयासों की आवश्यकता पर जोर देते हुए बेरी ने कहा, नीति आयोग में हम चखउए पर्यटन को केवल एक प्रचार का माध्यम नहीं, बल्कि विकास की अनिवार्यता के रूप में भी देखते हैं। उन्होंने इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए केंद्र-राज्य समन्वय, डि-रेगुलेशन और मंत्रालयों के बीच अलगाव को खत्म करने की आवश्यकता पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत को एक व्यापक पर्यटन अनुभव की ओर बढ़ना चाहिए, जिसमें आयोजनों, कल्चरल इन्फ्रास्ट्रक्चर और वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को एकीकृत किया जाए ताकि इसकी क्षमता को पूरी तरह से उपयोग में लिया जा सके।

इस समारोह में उप मुख्यमंत्री, दीया कुमारी ने कहा कि राजस्थान केवल एक हेरिटेज डेस्टिनेशन ही नहीं है, बल्कि एमआईसीई पर्यटन के लिए एक जीवंत व भविष्य के लिए तैयार हब है। अत्याधुनिक कन्वेंशन सेंटर्स, सहज कनेक्टिविटी व डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और विश्व स्तरीय आतिथ्य के साथ हम डायनेमिक इकोसिस्टम तैयार कर रहे हैं, जो परिवर्तन के साथ परंपरा का संयोजन करता है। उन्होंने आगे कहा कि हमारी सांस्कृतिक समृद्धि से लेकर ग्रामीण पर्यटन सर्किट और नए डेस्टिनेशन के विकास तक राजस्थान के प्रत्येक भाग को उच्च-प्रभाव वाले आयोजनों की मेजबानी करने के लिए तैयार किया जा रहा है। हम मजबूत सार्वजनिक-निजी भागीदारी की शक्ति में विश्वास रखते हैं, जहां स्थानीय कारीगरों से लेकर लक्जरी होटल व्यवसायियों तक, जमीनी स्तर की लॉजिस्टिक टीमों से लेकर वैश्विक योजनाकारों तक हर कोई अपनी भूमिका निभाता है।

एमआईसीई के प्रति राजस्थान की प्रतिबद्धता को सिर्फ अल्पकालिक प्रयास के रूप में नहीं, बल्कि विकास, नवाचार और ग्लोबल विजिबिलिटी को गति देने में रणनीतिक प्राथमिकता के रूप में राजस्थान के संदर्भ में उप मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान न सिर्फ कॉन्फ्रेंसों की मेजबानी के लिए तैयार है, बल्कि कभी ना भूलने वाला समृद्ध अनुभव प्रदान करने के लिए भी पूरी तरह से तैयार है।

उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि आज राजस्थान केवल अपने भव्य किलों और महलों के लिए ही नहीं, बल्कि अपनी सदियों पुरानी शिल्पकला, भावपूर्ण लोकसंगीत, कालातीत वास्तुकला और जीवंत सांस्कृतिक परंपराओं के साथ रुरल टूरिज्म और यहाँ की हॉस्पिटैलिटी के लिए भी जाना जाता है। राजस्थान कॉन्फ्रेंस और इवेंट्स के लिए भी नंबर वन होने वाला है। इस दौरान उप मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी धन्यवाद देते हुए कहा कि- यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूर दृष्टि का परिणाम है। पहले मेड इन इंडिया हुआ, अब मीट इन इंडिया हो रहा है। राजस्थान एक कॉन्फ्रेंस डेस्टिनेशन के रूप में खड़ा हो रहा है।बहुत जल्द राजस्थान मंडपम शुरू होने जा रहा है। कॉन्सर्ट टूरिज्म फैसेलिटीज भी राजस्थान में ज्यादा जगह क्रिएट करेंगे, इसके लिए और अच्छा इंफ्रास्ट्रक्चर राजस्थान में बनने जा रहा है। राजस्थान वैश्विक मानचित्र पर एक विशिष्ट स्थान रखता है। यह प्रदेश अब कॉन्सर्ट पर्यटन के क्षेत्र में भी तेज़ी से उभर रहा है, जो निवेश एवं साझेदारियों के नए द्वार खोल रहा है। आज का राजस्थान एक ओर जहाँ अपनी परंपराओं को सहेजे हुए है, वहीं दूसरी ओर आधुनिक बुनियादी ढांचे और पर्यटन-अनुकूल नीतियों के माध्यम से ग्लोबल टूरिज़्म हब बनने की ओर अग्रसर है। यह राज्य अब केवल घूमने-फिरने की जगह नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस, बिजनेस मीटिंग्स, सांस्कृतिक मेलों और वैश्विक आयोजनों के लिए भी एक आदर्श गंतव्य बनता जा रहा है। इस दौरान उपमुख्यमंत्री ने केंद्र से मिल रहे फंड के लिए केंद्र सरकार को धन्यवाद दिया और कहा कि इसी को डबल इंजन की सरकार कहते हैं।

भारतीय सीमा में घुसे एक पाकिस्तानी रेंजर्स को पकड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीगंगानगर। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत-पाकिस्तान की सीमा पर चल रहे तनाव के बीच राजस्थान के श्रीगंगानगर से लगती भारत पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा पर शनिवार सुबह भारतीय सीमा में घुसे एक पाकिस्तानी रेंजर्स को सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों ने पकड़ लिया।

आधिकारिक सूत्रों के श्रीगंगानगर के रायसिंहनगर से लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तानी रेंजर सीमा पार कर भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश कर रहा था। तभी सतर्क बीएसएफ के जवानों ने उसे पकड़ लिया।

इस घटना के बाद अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सुरक्षा और कड़ी कर दी गई है, तथा बीएसएफ के जवान पाकिस्तान की सीमा से किसी भी स्थिति का मुंह तोड़ जबाव देने के लिये मुस्तेद है, पकड़े गया पाकिस्तानी रेंजर्स बहावलपुर पाकिस्तान का रहने वाला है उससे गहन पूछताछ कर रही है। हालांकि अभी तक यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि पाकिस्तानी रेंजर किस मकसद से भारतीय सीमा में घुसने की कोशिश कर रहा था। बीएसएफ के अधिकारी उससे पूछताछ कर रहे हैं ताकि उसके सीमा पार करने के इरादे का पता लगाया जा सके। इस घटना के बाद सीमा पर सुरक्षा और कड़ी कर दी गई है। बीएसएफ के जवान पूरी तरह से अलर्ट हैं और सीमा पर किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर कड़ी नजर रखी जा रही हैं।

एसओजी ने नीट पेपर उपलब्ध कराने का झांसा देने के आरोप में तीन लोगों का हिरासत में लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) ने तीन लोगों को हिरासत में लिया है जो राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) के एक अभ्यर्थी को कथित तौर पर पेपर उपलब्ध कराने का झांसा दे रहे थे। अधिकारियों के अनुसार इन लोगों ने अभ्यर्थी से 40 लाख रुपये ठगने की कोशिश की। एसओजी के एक अधिकारी ने बताया कि आरोपी बलवान (27), मुकेश मीणा (40) और हरदास (38) ने नीट के एक अभ्यर्थी के परिवार से प्रश्नपत्र उपलब्ध कराने के बदले 40 लाख रुपये मांगे थे। देशभर में नीट के लिए परीक्षा रविवार को हो रही है। अधिकारी ने बताया कि आरोपी शुक्रवार को छात्र और परिवार के सदस्यों को हरियाणा के गुरुग्राम ले गए और पैसे मांगे जब उन्होंने पैसे लेने से पहले पेपर दिखाने से इनकार कर दिया तो परिवार ने एसओजी से संपर्क किया जिसके बाद एक टीम वहां पहुंची और शनिवार रात आरोपियों को हिरासत में ले लिया। एक अधिकारी ने कहा कि आरोपियों से पूछताछ की जा रही है।

20 लाख की रिश्वत लेते एसीबी ने 'बीएपी' विधायक को किया ट्रैप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बांसवाड़ा। 20 लाख रुपये रिश्वत मामले में राजस्थान एसीबी ने रविवार को भारतीय आदिवासी पार्टी (बीएपी) के विधायक को ट्रैप किया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने बांसवाड़ा के बागीदौरा विधानसभा सीट से विधायक जय कृष्ण पटेल को हिरासत में लिया। मिली जानकारी के अनुसार, रविवार शाम 5:30 बजे प्रेस वार्ता कर एसीबी के डीजी रवि प्रकाश मेहरड़ा इस पूरे मामले की जानकारी देंगे। विधायक पर आरोप है कि वह विधानसभा में सवाल करने के एवज में रिश्वत मांगते थे। इस बार विधायक की ओर से 2.50 करोड़ की रिश्वत मांगी गई थी। गनमैन के जरिए पहली किस्त के तौर पर 20 लाख रुपये लेते हुए विधायक को एसीबी ने दबोचा।

विधायक के जयपुर और बागीदौरा स्थित ठिकानों पर एसीबी की टीम का सर्च ऑपरेशन जारी है। गनमैन फरार बताया जा रहा है। रिश्वत लेने की जानकारी मिलने के बाद से ही पुलिस ने विधायक और उनसे जुड़े लोगों के मोबाइल को सर्विलांस पर डाल दिया था। बता दें, राजस्थान की बागीदौरा विधानसभा में हुए उपचुनाव (2024) में भारतीय आदिवासी पार्टी ने जय कृष्ण पटेल को टिकट देकर चुनावी मैदान में उतारा था। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के सुभाष तंबोलिया को 51,434 मतों के प्रभावशाली अंतर से हराया और विधानसभा पहुंचे थे। जयकृष्ण पटेल को कुल 1,22,573 वोट प्राप्त हुए, जबकि भाजपा उम्मीदवार को 71,139 वोट मिले। यह सीट मौजूदा विधायक और पूर्व मंत्री महेंद्रजीत मालवीया के इस्तीफे के बाद खाली हुई थी।

पटेल 2024 में ही उपचुनाव जीतकर विधायक बने। दरअसल, बागीदौरा सीट से कांग्रेस के पूर्व विधायक महेंद्रजीत मालवीया ने इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद यह सीट खाली हो गई थी। मालवीया कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए और बांसवाड़ा सीट से लोकसभा चुनाव लड़ा था। लोकसभा चुनाव के साथ ही राजस्थान की 7 सीटों पर उपचुनाव संपन्न हुए थे। इनमें से एक बागीदौरा सीट भी थी।

राजस्थान के चुरू में ओले गिरे, कई जगह बारिश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। एक नए पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव के चलते राजस्थान के चुरू जिले में ओलावृष्टि हुई है जबकि अनेक जगह बारिश हुई। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी।

मौसम विभाग ने अगले सप्ताह के दौरान राज्य के अनेक भागों में हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान जताया है। आईएमडी के जयपुर केंद्र के अनुसार रविवार सुबह तक पिछले 24 घंटे की अवधि में चुरू जिले में ओलावृष्टि हुई। इस दौरान राजधानी जयपुर के साथ साथ बारां, सिरोही, नागौर, जोधपुर, बीकानेर व पाली जिले में कई जगह हल्की से मध्यम बारिश हुई। जयपुर सहित कई जिलों में शनिवार शाम तेज आंधी के बाद बारिश हुई जिससे तापमान में गिरावट के कारण लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली।

मौसम विभाग के अनुसार अगले एक सप्ताह तक राज्य में भीषण गर्मी नहीं पड़ेगी। इसने एक के बाद एक पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से राज्य के अनेक भागों में मेघ गर्जन के साथ 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चलने, आकाशीय बिजली गिरने और हल्की से मध्यम बारिश का अनुमान जताया है। इसी तरह, दक्षिण-पश्चिमी राजस्थान के कुछ भागों में पांच से सात मई के दौरान तीव्र मेघ गर्जन, 40-50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चलने व मध्यम से तेज बारिश होने की संभावना है। जबकि छह से सात मई को बाड़मेर, जालोर व आसपास के जिलों में कहीं-कहीं भारी बारिश भी हो सकती है।

वन मंत्री ने जनसुनवाई कर परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पर्यावरण एवं वन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संजय शर्मा ने रविवार को अलवर जिले में अपने निवास स्थान पर जनसुनवाई कर आमजन की परिवेदनाओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिये।

जनसुनवाई में ग्राम पंचायत पुनर्गठन, सडक, विद्युत, पुलिस, स्थानांतरण की परिवेदनाएं प्रमुख रही जिस पर मंत्री शर्मा ने संबंधित अधिकारियों को दूरभाष से परिवेदनाओं के त्वरित निस्तारण के निर्देश दिये।

परिवेदनाओं के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही बरते जाने पर सख्त कार्रवाई अमल में लाई जावेगी। उन्होंने फरियादियों से कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा आमजन के कल्याण हेतु विभिन्न योजनाएं संचालित की गई है जिनका जागरूक रहकर लाभ उठाने के साथ-साथ अन्य लोगों को लाभ उठाने हेतु जागरूक करें।

अराजकता को समाप्त करने वाले अनुशासन के ओजस्वी चेहरे थे भगवान परशुराम : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने अराजकता को समाप्त करने वाले भगवान विष्णु के छठे अवतार महर्षि परशुराम को आत्मविश्वास से ओतप्रोत और अनुशासन के ओजस्वी चेहरा बताते हुए कहा है कि उनका जीवन आततायी शक्तियों के अहंकार के विनाश के लिए समर्पित रहा। देवनानी रविवार को यहां कांस्टीट्यूशन क्लब ऑफ राजस्थान के सभागार में सर्व ब्राह्मण महासभा द्वारा आयोजित भगवान परशुराम जन्मोत्सव के पाक्षिक समारोह के समापन उत्सव को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि ब्राह्मणों ने ज्ञान विज्ञान और विद्वता को नई ऊंचाइयां देकर समाज को गौरवशाली दिशा प्रदान की है।इतिहास को देखे तो ब्राह्मणों ने हर क्षेत्र में सक्रिय और सकारात्मक भूमिका निभाई है। इस अवसर पर देवनानी ने ब्राह्मण समाज की विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 67 प्रतिभाओं को माला, दुपट्टा पहनाकर और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। देवनानी ने कहा कि ब्राह्मण उच्च कोटि की विद्वता, त्याग, तपस्या और संयम के पर्याय रहे हैं। वेद, आयुर्वेद, ज्योतिष, गणित, खगोल, न्याय जैसी अनेक विधाओं की रचना भी ब्राह्मणों ने ही की है। समाज में शिक्षा का आधार ब्राह्मण रहे हैं। उन्होंने वेदव्यास, आचार्य चाणक्य, महर्षि पतंजलि, भास्कराचार्य, स्वामी विवेकानंद, दयानंद सरस्वती, रविंद्र नाथ टैगोर और बाजीराव बल्लाल भट्ट का उल्लेख करते हुए कहां कि इन विद्वानों के आदर्शों को जीवन में उतारना चाहिए। नई पीढ़ी को भी इन विभूतियों के बारे में बताने के लिए हम सभी को पहल करनी होगी।

स्वच्छता केवल आदत नहीं, यह संस्कार है : खर्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। रविवार को राजस्थान के नगरीय क्षेत्रों में स्वच्छता के क्षेत्र में एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ा, जब राज्य के नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा द्वारा 14 नगरीय निकायों में निर्मित 17 सामुदायिक, सार्वजनिक एवं पिंक (महिला) शौचालयों का लोकार्पण किया गया। इन शौचालयों का निर्माण स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत कुल 5.07 करोड़ रुपये की लागत से पूर्ण हुआ है। इन 17 शौचालयों में 7 सामुदायिक, 5 सार्वजनिक और 5 पिंक शौचालय शामिल हैं, जिनकी विशेषता है आधुनिक सुविधाएं, दिव्यांग अनुकूल रैम्प, सैनिटरी पैड वेंडिंग मशीन, वॉश बेसिन, स्वच्छता किट्स और रखरखाव के लिए नियुक्त केयरटेकर।

इस अवसर पर झाबर सिंह खर्रा ने कहा की ,आज का यह आयोजन केवल शौचालयों का उद्घाटन नहीं, बल्कि एक स्वच्छ, सुरक्षित और सम्मानजनक जीवन की दिशा में हमारा संकल्प है। गांधी जी का सपना और मोदी जी का मिशन आज राजस्थान में साकार हो रहा है। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार आमजन को स्वच्छ, स्वस्थ और सुरक्षित जीवन देने के लिए निरंतर प्रयासरत है खर्रा ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) के प्रथम चरण में राजस्थान के सभी नगरीय निकायों को खुले में शौच से मुक्त (जउञ्) घोषित किया गया था। अब मिशन के दूसरे चरण में सरकार का लक्ष्य है कि प्रत्येक शहरी नागरिक को सुरक्षित और सम्मानजनक स्वच्छता सुविधाएं उपलब्ध हों।

स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) की निदेशक श्रीमती श्वेता चौहान ने इस मौके पर कहा की , राज्य सरकार की मंसानुरूप महिलाओं की गरिमा और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए राज्य में पिंक टॉयलेट्स की एक विशेष श्रृंखला विकसित की जा रही है।

अब तक 86 पिंक टॉयलेट ब्लॉक्स का कार्यादेश जारी हो चुका है, जिसमें से 9 पूर्ण हो चुके हैं। यह पहल नारी सम्मान और स्वस्थ समाज की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी। उन्होंने यह भी बताया कि सभी नए शौचालयों में स्वच्छता और तकनीक का संतुलन सुनिश्चित किया गया है, जिससे वे लंबे समय तक टिकाऊ और जनोपयोगी रहेंगे। कार्यक्रम का समापन गंदगी भारत छोड़ो के संकल्प के साथ हुआ, जिसमें सभी अधिकारियों, कर्मचारियों और गणमान्य नागरिकों ने भाग लिया। मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने आमजन से अपील की हम सब साथ मिलकर स्वच्छता को जनआंदोलन बनाएं और राजस्थान को स्वच्छ, स्वस्थ और समृद्ध बनाएँ।

चित्रकूट में पाकिस्तान समर्थित पोस्ट के विरोध में हिंदू संगठनों का प्रदर्शन

बांदा (उप्र)/भाषा। चित्रकूट जिले के शिवरामपुर थाना क्षेत्र के एक गांव में सोशल मीडिया पर कथित रूप से पाकिस्तान समर्थित सामग्री पोस्ट करने के विरोध में रविवार को विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

चित्रकूट के अपर पुलिस अधीक्षक (एएसपी) चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि शिवरामपुर थाना क्षेत्र के निबुहा पुरवा गांव में रविवार को विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) और बजरंग दल के कुछ कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया और गांव में हनुमान चालीसा का पाठ किया। उन्होंने बताया कि कुछ दिन पूर्व निबुहा पुरवा गांव के एक नाबालिग लड़के ने सोशल मीडिया पर कथित रूप से पाकिस्तान के समर्थन में एक वीडियो पोस्ट किया था, जिस पर मामला दर्जकर जांच की जा रही है। एएसपी ने बताया कि प्रदर्शन के मद्देनजर सुरक्षा में भारी तादाद में पुलिस बल तैनात किया गया था तथा कानून व्यवस्था बनी हुई है।

भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार और अन्याय चरम पर : अखिलेश

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने रविवार को कहा कि उत्तर प्रदेश में भ्रष्टाचार और अन्याय की कोई सीमा नहीं रह गई है और यह पहली बार दिख रहा है कि प्रदेश के अधिकारी इस राज्य के बाहर 'निवेश' कर रहे हैं।

यादव ने यहां प्रेस वार्ता में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय द्वारा अपने जिले सिद्धार्थनगर में गेहूं खरीद में 64 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगाए जाने के बाद कहा, इस सरकार में भ्रष्टाचार की कोई सीमा नहीं है। अन्याय भी उतना ही चल रहा है। उन्होंने कहा, भ्रष्टाचार और अन्याय की वजह से ही पीडीए (पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यक) परिवार एकजुट हो गया है और इसी एकजुटता से घबराकर ही भाजपा ने जातिवार जनगणना का फैसला किया है। इस जनगणना में भी धांधली ना हो इसलिए भी पीडीए परिवार एकजुट रहे।

सपा प्रमुख ने एक सवाल पर कहा, इस बार भारतीय जनता पार्टी की कोई चालबाजी नहीं चलेगी। यह लोग चुनाव में धांधली करते हैं, मगर इस बार उत्तर प्रदेश की 403 विधानसभाओं में हम भाजपा की कोई भी चार सौ बीसी नहीं चलने देंगे। नेता प्रतिपक्ष पांडेय ने प्रेस वार्ता में सिद्धार्थनगर जिले में गेहूं की सरकारी खरीद में 64 करोड़ रुपए के घोटाले का आरोप लगाते हुए यह भी कहा कि गबन में भाजपा के लोग शामिल हैं और मुख्यमंत्री से शिकायत किए जाने के बावजूद अब तक इस पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। सपा प्रमुख यादव ने दावा किया, कई अधिकारियों के खिलाफ 165 करोड़ रुपए की धांधली को लेकर कार्रवाई होने जा रही है। उन्होंने किसी का नाम लिए बगैर कहा, एक अधिकारी इतने ईमानदार थे कि उन्होंने अपने नाम पर एक भी फ्लैट नहीं रखा और अपने सहयोगी-साथियों के नाम पर न जाने कितने फ्लैट खरीद लिये। वह भी न सिर्फ उत्तर प्रदेश में बल्कि उत्तर प्रदेश के बाहर भी। यह तो पहली बार सरकार में देखने को मिल रहा है कि उत्तर प्रदेश के अधिकारियों का निवेश उत्तर प्रदेश के बाहर हो रहा है।

नोएडा में सीमा हैदर के घर में घुसे व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया

नोएडा/भाषा। उत्तर प्रदेश में गौतमबुद्धनगर पुलिस ने यहां सीमा हैदर के घर में घुसने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, आरोपी ने दावा किया है कि सीमा हैदर ने उस पर काला जादू किया था। वह कथित रूप से शनिवार को सीमा के घर में घुसा था। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान गुजरात के सुरेन्द्रनगर निवासी तेजस के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इस संबंध में सीमा हैदर की भारतीय सास एवं सचिन मीणा की मां रितु देवी ने कोतवाली रबूपुरा में शनिवार को शिकायत दर्ज कराई है।

रबूपुरा कोतवाली के प्रभारी सुजीत उपाध्याय ने बताया, वह गुजरात का रहने वाला है और उसने गुजरात से नई दिल्ली जाने वाली ट्रेन का जनरल कोच का टिकट लिया था। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन से वह बस से गांव पहुंचा। उसके मोबाइल फोन में सीमा के स्क्रीनशॉट मिले हैं। उन्होंने बताया कि तेजस को गिरफ्तार कर लिया गया है। उपाध्याय के मुताबिक, पूछताछ के दौरान उसने पुलिस को बताया कि सीमा ने उस पर काला जादू किया है। उन्होंने बताया कि मामले की आगे की जांच जारी है। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के जैकोबाबाद की रहने वाली 32 वर्षीय सीमा हैदर अपने बच्चों को लेकर कराची से नेपाल के रास्ते 2023 में भारत आई थी। वह जुलाई 2023 में सुर्खियों तब आई जब भारतीय अधिकारियों को वह ग्रेटर नोएडा में 27 वर्षीय सचिन मीना के साथ रहते हुए मिली। उसका दावा है कि उसने सचिन से शादी कर ली है।

किसान योजनाओं के लाभार्थी मात्र नहीं, विकास के भागीदार बनेंगे : आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि उत्तर प्रदेश का किसान केवल योजनाओं का लाभार्थी मात्र नहीं रहेगा, बल्कि प्रदेश के समग्र विकास का सक्रिय भागीदार भी बनेगा।

मुख्यमंत्री ने कृषि विभाग की समीक्षा बैठक में कृषि क्षेत्र की अद्यतन स्थिति पर चर्चा करते हुए कहा, ''नए भारत के नए उत्तर प्रदेश में कृषि केवल जीविका नहीं, बल्कि समृद्धि और आत्मनिर्भरता का आधार बनेगी।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के कुल कृषि क्षेत्र का 11.41 प्रतिशत हिस्सा उत्तर प्रदेश में है, लेकिन खाद्यान्न उत्पादन में प्रदेश की हिस्सेदारी 20.89 फीसदी है, जो किसानों की मेहनत और सरकार की प्रभावी नीतियों का प्रमाण है। उन्होंने कहा, ''2016-17 में जहा खाद्यान्न उत्पादन 557.46 लाख मीट्रिक टन था, वह

2024-25 में बढ़कर 725.12 लाख मीट्रिक टन से अधिक हो गया है। इसी अवधि में दलहन और तिलहन उत्पादन में दोगुने से अधिक वृद्धि दर्ज की गई है। मुख्यमंत्री ने इस उपलब्धि को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प दोहराया।''

आदित्यनाथ ने बीज की गुणवत्ता और उपयुक्तता पर विशेष जोर देते हुए निर्देश दिए कि जलवायु क्षेत्रों (क्लाइमेटिक जोन) के अनुसार बीज विकसित किए जाएं। उन्होंने अगेती व पछेती बुआई के लिए अलग-अलग बीज तैयार कराने, प्रमाणीकरण सुनिश्चित करने और किसानों को रियायती दर पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम द्वारा किसानों से बीज खरीद की धनराशि बढ़ाने और संसाधित बीजों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को भी कहा।

लखनऊ में प्रस्तावित चौधरी चरण सिंह बीज पार्क की स्थापना को तत्काल प्रारंभ करने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने इसे बीज क्षेत्र में क्रांति का आधार बताया।

उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद जैसे संस्थानों के अधिकतम उपयोग की आवश्यकता जताते हुए मुख्यमंत्री ने तकनीक आधारित कृषि नवाचारों को गति देने का आह्वान किया।

कृषि यंत्रों पर मिलने वाली सब्सिडी की प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने पर बल देते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि किसानों से आवेदन लेने से पूर्व व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए और चयन प्रक्रिया में यह सुनिश्चित किया जाए कि अधिकाधिक विकास खंडों के किसान लाभान्वित हों।

संभल में 33 निजी स्कूलों पर एक-एक लाख रुपए का जुर्माना

संभल (उप्र)/भाषा। संभल जिला प्रशासन ने छात्रों को खास पुस्तक विक्रेताओं से किताबें खरीदने के लिए मजबूर करने और सरकार के नियमों का उल्लंघन कर निजी प्रकाशकों की पाठ्यपुस्तकों का इस्तेमाल करने के मामले में 33 निजी स्कूलों पर एक-एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। संभल के जिलाधिकारी (डीएम) राजेंद्र पेंसिया के हवाले से रविवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, जिले में संचालित सीबीएसई और आईसीएसई से संबद्ध स्कूलों में इस्तेमाल की जा रही पाठ्यपुस्तकों की जांच की गयी और इसमें पाया गया कि 33 स्कूल या तो निजी प्रकाशकों की पाठ्यपुस्तकों का इस्तेमाल करा रहे थे या छात्रों को केवल निर्दिष्ट पुस्तक विक्रेताओं से किताबें खरीदने के लिए मजबूर कर रहे थे। बयान के मुताबिक, इसे उत्तर प्रदेश स्व-वित्तपोषित स्वतंत्र विद्यालय (शुल्क विनियमन) अधिनियम, 2018 का उल्लंघन माना गया और 33 स्कूलों पर एक-एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। जिला प्रशासन ने स्कूलों को एक सप्ताह के भीतर जुर्माना जमा करने और रसीद जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) को सौंपने का निर्देश दिया है।

बंगाल के लिए चुनौती बन रहा 'कट्टरपंथ' : राज्यपाल ने गृह मंत्रालय को सौंपी रिपोर्ट में कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सी वी आनंद बोस ने मुर्शिदाबाद जिले में हाल में हुए दंगों पर केंद्रीय गृह मंत्रालय को एक रिपोर्ट सौंपी है, जिसमें उल्लेख किया गया है कि ''कट्टरपंथ और उग्रवाद की दोहरी समस्या'' राज्य के लिए गंभीर चुनौती बन गई है।

बोस ने रिपोर्ट में कई उपाय सुझाए हैं, जिनमें एक जांच आयोग का गठन और बांग्लादेश की सीमा से लगे जिलों में केंद्रीय बलों की चौकियां स्थापित करना शामिल है। उन्होंने लिखा, ''यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत प्रावधान भी विकल्प बने रहेंगे।'' रिपोर्ट में ''संविधान के अनुच्छेद 356 के तहत प्रावधानों'' के उल्लेख के बारे में पूछे जाने पर एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''राज्यपाल ने अनुच्छेद 356 के कार्यान्वयन का प्रस्ताव नहीं दिया है। उनका मतलब यह था कि यदि राज्य में स्थिति और बिगड़ती है तो संविधान के अनुच्छेद 356 के प्रावधानों पर केंद्र विचार कर सकता है।'' संविधान के अनुच्छेद 356 के लागू होने का मतलब राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू होना है। राज्यपाल ने मुर्शिदाबाद हिंसा का प्रभाव राज्य के अन्य जिलों पर पड़ने की आशंका व्यक्त की और सिफारिश की कि केंद्र सरकार को ''लोगों में कानून के शासन के प्रति विश्वास पैदा करने के अलावा मौजूदा स्थिति पर नियंत्रण रखने के लिए संवैधानिक विकल्पों पर विचार करना चाहिए।'' बोस ने अपनी रिपोर्ट में कहा, ''कट्टरपंथ और उग्रवाद की दोहरी समस्या पश्चिम बंगाल के लिए एक गंभीर चुनौती बन गई है, विशेषकर बांग्लादेश के साथ अंतरराष्ट्रीय सीमा साझा करने वाले दो जिलों- मुर्शिदाबाद और मालदा में।

रसेल की तूफानी पारी से केकेआर की राजस्थान पर रोमांचक जीत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। आंद्रे रसेल की तूफानी नाबाद अर्धशतकीय पारी राजस्थान रॉयल्स के कार्यवाहक कप्तान रियान पराग की 95 रन की शानदारी पारी पर भारी पड़ी जिससे गत चैम्पियन कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में रविवार को यहां एक रन की रोमांचक जीत के साथ प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदें बरकरार रखीं।

जमैका के इस 37 साल के खिलाड़ी ने अपने शुरुआती नौ गेंद में सिर्फ दो रन बनाये थे लेकिन इसके बाद छक्कों और चौकों की बारिश करते हुए 25 गेंद की नाबाद पारी में 57 रन बनाये। उनकी छह छक्के और चार चौकों जड़ित नाबाद पारी से केकेआर ने आखिर पांच ओवरों में 85 रन जोड़े।

केकेआर को प्लेऑफ में पहुंचने के लिए लीग चरण के अपने सभी मैच जीतने होंगे और टीम ने घरेलू मैदान पर टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला करने के बाद चार विकेट पर 206 रन बनाये। जवाब में राजस्थान रॉयल्स की टीम आठ ओवर में 71 रन पर पांच विकेट गंवा कर मुश्किल स्थिति में थी लेकिन कप्तान पराग ने 45 गेंदों में आठ छक्कों और छह चौकों की मदद से अपनी पारी में टीम की उम्मीदों को जिंदा रखा। केकेआर के कप्तान अजिंक्य रहाणे के गेंदबाजी में चतुराई से परिवर्तनों ने यह सुनिश्चित किया कि पराग अपने पहले शतक से पांच रन दूर रहे। आखिरी ओवर में शुभम दुबे (नाबाद 25) ने वैभव अरोड़ा के खिलाफ दो छक्के और चौका जड़ दिया जिससे राजस्थान को जीत के लिए आखिरी गेंद पर तीन रन की जरूरत थी। अरोड़ा ने हालांकि धैर्य बनाये रखा। दुबे ने लॉग ऑफ की तरफ शॉट खेला और दूसरे रन के लिए भागे लेकिन रिंकू सिंह ने गेंदबाज के पास शानदार थ्रो फेंका जिससे जोफ्रा आर्चर रन आउट हो गये और यह रोमांचक मुकाबला केकेआर के नाम हो गया। 11 मैचों में पांचवी जीत से केकेआर की प्ले ऑफ में पहुंचने की उम्मीदें बनी हुई है।

केकेआर के लिए वरुण चक्रवर्ती, हर्षित राणा और मोईन अली ने दो-दो विकेट लिये जबकि सुनील नारायन ने चार ओवर में सिर्फ 27 रन खर्च किये। प्ले ऑफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी राजस्थान के लिए लक्ष्य का पीछा करते हुए शुरुआत अच्छी नहीं रही। वैभव सूर्यवंशी ने वैभव अरोड़ा (50 रन पर एक विकेट) के खिलाफ चौका लगाकर खाता खोला लेकिन अगली गेंद पर आउट हो गये। अपना पहला मैच खेल रहे कुणाल सिंह राठौड़ भी बड़ा शॉट लगाने के चक्कर में मोईन की गेंद पर गच्चा खा गये और रसेल ने कैच लपकने में कोई गलती नहीं की। पराग और यशस्वी जायसवाल (21 गेंद में 34 रन) ने तीसरे ओवर में अरोड़ा के खिलाफ छक्के जड़कर दबाव कम किया। पराग ने चौथे ओवर में हर्षित राणा के खिलाफ दो चौके और एक छक्का लगाया तो वहीं जायसवाल ने चक्रवर्ती के खिलाफ लगातार दो जबकि हर्षित के खिलाफ हैट्रिक चौके से पावर प्ले में टीम को दो विकेट पर 59 रन तक पहुंचा दिया। खतरनाक होती इस साझेदारी को मोईन ने सातवें ओवर में जायसवाल को चलताकर तोड़ा।

चक्रवर्ती ने अगले ओवर में तीन गेंद के अंदर ध्रुव जुरेल और वानिंदु हसरंगा को आउट कर 71 रन तक राजस्थान की आधी टीम को पवेलियन भेज दिया। दोनों बल्लेबाज स्कोरर को तंग किये बिना बोल्ड हुए। पराग ने इसके बाद अपने दम पर टीम की मैच में वापसी करते हुए अरोड़ा के खिलाफ 12वें ओवर में लगातार दो चौके जड़ने के बाद मोईन के खिलाफ लगातार पांच छक्का लगाने के दौरान 27 गेंद में अपना अर्धशतक पूरा किया।

केंद्र का जातीय जनगणना कराने का फैसला पीडीए की बड़ी जीतः धर्मेंद्र यादव

अमेठी (उप्र)/भाषा। आजमगढ़ से समाजवादी पार्टी (सपा) के सांसद धर्मेंद्र यादव ने रविवार को कहा कि केंद्र सरकार का जातीय जनगणना कराने का फैसला पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) और समाजवादियों की एक बड़ी जीत है और सरकार को पीडीए की ताकत के आगे झुकना पड़ा।

धर्मेंद्र यादव अमेठी के एक गांव में सपा नेता जयसिंह यादव के यहां एक निजी कार्यक्रम में हिस्सा लेने आए थे। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा, केंद्र सरकार का जातीय जनगणना कराने का फैसला समाजवादियों की एक बड़ी जीत है। धर्मेंद्र यादव ने कहा, पीडीए और समाजवादियों की ताकत की वजह से केंद्र सरकार को जातीय जनगणना कराने का फैसला लेना पड़ा और सरकार को झुकना पड़ा। सपा सांसद ने कहा कि अगर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार जातीय जनगणना नहीं कराती तो समाजवादी पार्टी की सरकार आने पर जाति जनगणना कराई जाती।

उत्तर प्रदेश के 2027 के विधानसभा चुनाव के सवाल पर धर्मेंद्र यादव ने कहा, सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के नेतृत्व में समाजवादी पार्टी पूरी मजबूती से चुनाव लड़ेगी, हम सरकार बनाएंगे और भारी बहुमत से सरकार बनाएंगे।

कांग्रेस का हिंदू विरोधी चेहरा उजागरः राहुल के भगवान राम को 'पौराणिक पात्र' बताने पर भाजपा

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भगवान राम को ''पौराणिक पात्र'' कहे जाने को लेकर राहुल गांधी की रविवार को आलोचना की और कहा कि कांग्रेस नेता ने अपनी पार्टी का ''हिंदू विरोधी चेहरा'' उजागर कर दिया है।

पिछले महीने अमेरिका के एक विश्वविद्यालय में परिचर्चा के दौरान राहुल ने हिंदू की परिभाषा को लेकर भाजपा के विचार को खारिज किया था और कहा था कि सभी महान भारतीय समाज सुधारकों और राजनीतिक विचारकों-ज्योतिराव फुले, बीआर अंबेडकर, महात्मा गांधी और यहां तक कि गुरु नानक, बसव और बुद्ध ने भी यही कहा था, ''सभी को अपने साथ लेकर चलो, सत्य और अहिंसा को अपनाओ।''

कांग्रेस नेता ने कहा था, ''मेरे लिए यह भारतीय परंपरा और इतिहास का आधार है। मैं भारत में एक भी ऐसे व्यक्ति को नहीं जानता, जिसे हम महान मानते हों, लेकिन वह इस प्रकार का न हो। मैं किसी के बारे में ऐसा नहीं सोच सकता। सभी पौराणिक पात्र हैं। भगवान राम उस समय के थे, जिसमें वह क्षमाशील थे, दयालु थे।''

राहुल ने यह टिप्पणी उस समय की, जब उनसे पूछा गया कि हिंदू राष्ट्रवाद के युग में धर्मनिरपेक्ष राजनीति किस प्रकार तैयार की जानी चाहिए। राहुल की टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रदीप भंडारी ने पूर्व कांग्रेस प्रमुख को ''हिंदू विरोधी'' बताया और उनसे अपनी पार्टी का नाम बदलकर ''हिंदू विरोधी कांग्रेस'' रखने को कहा।

पाक कब्जे वाले कश्मीर को भारत में मिलाने का सही वक्त : शिवपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गोंडा (उप्र)/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि भारत को 'पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर' (पीओके) को वापस लेने का अब समय आ गया है।

यादव रविवार को गोंडा में एक निजी कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पहुंचे थे। उन्होंने कहा, भाजपा ने चुनावों में वादा किया था कि वह पीओके को भारत में शामिल करेगी, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

यादव ने कहा कि भारत सरकार को हर उस क्षेत्र पर कार्रवाई करनी चाहिए, जो भारत का हिस्सा है। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि समाजवादी पार्टी इस मुद्दे पर सरकार के साथ खड़ी है, लेकिन सिर्फ बातों से कुछ नहीं होगा। यादव ने कश्मीर के पहलगाम में हुए हालिया आतंकी हमले को लेकर सरकार की भूमिका पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा, जब-जब देश में आतंकवादी हमले हुए हैं, समाजवादी पार्टी ने हर बार राष्ट्र के साथ खड़े होकर आतंकवाद का विरोध किया है, लेकिन यह चिंताजनक है कि तमाम सुरक्षा दावों के बावजूद आतंकी देश में घुस कैसे आए। खुफिया एजेंसियां कहां थीं? सरकार को इसका जवाब देना चाहिए।

यादव ने कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में करणी सेना को 'आतंकवादी मानसिकता वाला संगठन' करार दिया। उन्होंने राज्यसभा सदस्य रामजीलाल सुमन को दी गई धमकी का जिक्र करते हुए कहा, यदि कोई संगठन सार्वजनिक रूप से एक सांसद को जान से मारने की धमकी देता है, तो उसे आतंकवादी मानसिकता

यादव ने रविवार को कहा कि भाजपा ने चुनावों में वादा किया था कि वह पीओके को भारत में शामिल करेगी पर आज तक नहीं हुई है कोई ठोस कार्रवाई

वाला ही संगठन माना जाएगा।

यादव ने सवाल किया कि ऐसी प्रवृत्तियों को भाजपा सरकार आखिर क्यों संरक्षण दे रही है?

गोंडा दौरे आए यादव ने मदरसों पर कार्रवाई और बहराइच के प्रसिद्ध दरगाह मेले पर प्रतिबंध को लेकर भी प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने इसे धार्मिक स्वतंत्रता पर सीधा हमला बताया।

यादव ने कहा कि 500 वर्षों से चली आ रही परंपरा को रोकना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और पक्षपातपूर्ण निर्णय है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार सिर्फ दिखावे के लिए धर्म की बात करती है, असल में वह सांप्रदायिक सौहार्द को तोड़ने में लगी है। भाजपा के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह के सरकार में विधायकों की कोई औकात नहीं है संबंधी बयान पर यादव ने कहा कि जब सत्तारूढ़ दल के ही वरिष्ठ नेता लोकतंत्र की हत्या की बात कहें, तो यह साबित करता है कि वर्तमान सरकार जनप्रतिनिधियों की गरिमा को तार-तार कर रही है।

बंगाल सहित देश में अवैध रूप से रह रहे सभी पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान की जाएः मजूमदार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने रविवार को मांग की कि पश्चिम बंगाल सहित देश में अवैध रूप से रह रहे सभी पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान की जाए और उन्हें उनके देश वापस भेजा जाए। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल के चंदननगर में कथित रूप से लगभग 45 वर्षों तक रहने के बाद एक पाकिस्तानी महिला की गिरफ्तारी यह दर्शाती है कि राज्य में इस तरह की अवैध गतिविधियों पर ढीली निगरानी है।

पश्चिम बंगाल पुलिस ने शनिवार को हुगली जिले से एक पाकिस्तानी नागरिक को गिरफ्तार किया। वह 1980 में पर्यटक वीजा पर आने के बाद कथित तौर पर 45 साल से अधिक समय से भारत में रह रही थी।

मजूमदार (जो भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं) ने दक्षिण दिनाजपुर जिले के बालुरघाट कस्बे में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, ''हम चाहते हैं कि बंगाल सहित देश में अवैध रूप से रह रहे सभी पाकिस्तानी नागरिकों की पहचान की जाए, उन्हें पकड़ा जाए और

उनके मूल देश वापस भेजा जाए।''

मजूमदार ने कहा कि हम (भाजपा) सोमवार को सभी जिला मुख्यालयों के सामने इस मांग को लेकर प्रदर्शन करेंगे।

केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि सोमवार को पश्चिम बंगाल के सभी जिला मुख्यालयों में जिलाधिकारियों को प्रतिनियुक्ति दी जाएगी और अनुरोध किया जाएगा कि इसकी प्रतियां भारत की राष्ट्रपति और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री को प्रेषित की जाएं।

जब उनसे पूछा गया कि बंगाल में कितने पाकिस्तानी नागरिक होंगे तो उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कोई आंकड़ा नहीं दिया है। उन्होंने कहा, यहां राज्य सरकार कभी-कभी ऐसा व्यवहार करती है जैसे वह संघीय ढांचे का हिस्सा नहीं है, इसलिए उसे उसकी जिम्मेदारियों की याद दिलाने की जरूरत है।

आईआईटी, खड़गपुर के छात्रावास में छात्र का शव फंदे से लटका मिला

कोलकाता/भाषा। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), खड़गपुर के छात्रावास के एक कमरे में रविवार को बीटेक (तृतीय वर्ष) के एक छात्र का शव फंदे से लटका मिला। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

अधिकारी ने बताया कि मोहम्मद आसिफ कमर का शव आईआईटी, खड़गपुर परिसर के मदनमोहन मालवीय हॉल स्थित उसके छात्रावास के कमरे में फंदे से लटका हुआ मिला। संस्थान ने अपने बयान में कहा, हमें यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि सिविल इंजीनियरिंग विभाग में तीसरे वर्ष के छात्र मोहम्मद आसिफ कमर का शनिवार और रविवार की दरमियानी रात करीब दो बजकर 53 मिनट पर मौत हो गयी। आईआईटी खड़गपुर उनके असमय निधन पर शोक व्यक्त करता है।

बयान में कहा गया है, सुरक्षा आपातकालीन नंबर पर एक बाहरी स्रोत से कॉल आया कि मोहम्मद आसिफ कमर ने आत्महत्या कर ली है जिसके बाद सुरक्षा प्रतिक्रिया दल तुरंत पंडित मदन मोहन मालवीय हॉल ऑफ रेजिडेंस (पंडित मदन मोहन मालवीय हॉल) पहुंचा, जहां छात्र अपने कमरे में मृत पाया गया। बयान ने कह, चिकित्सक, प्रशासन और पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची। कमर के परिवार से भी इस घटना के बारे में संपर्क किया गया।

त्रिपुरा ने मार्च, 2027 तक 150 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखाः मंत्री रतलाम लाल नाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अगरतला/भाषा। त्रिपुरा के ऊर्जा मंत्री रतलाम लाल नाथ ने रविवार को कहा कि राज्य ने मार्च, 2027 तक 150 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा है और प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना धीरे-धीरे लोकप्रिय हो रही है।

इस योजना के तहत कुल 13,536 परिवारों ने सौर ऊर्जा संयंत्रों के लिए पंजीकरण कराया है। नाथ ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ़्त बिजली योजना को अच्छी प्रतिक्रिया मिली है और पंजीकरण की संख्या बढ़ रही है। कुल 13,536 परिवारों ने सौर ऊर्जा की मांग करते हुए पंजीकरण कराया है और अब तक 266 परिवारों को सौर ऊर्जा मिलनी शुरू हो चुकी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने कम से कम 50,000 परिवारों को

इस योजना के तहत लाने की योजना बनाई है।

मंत्री ने कहा, त्रिपुरा ने मार्च, 2027 तक 150 मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य रखा है। उन्होंने कहा, मैं लोगों से इस योजना का लाभ (सब्सिडी) लेने का आग्रह करता हूं क्योंकि त्रिपुरा राज्य विद्युत निगम लिमिटेड (टीएसईसीएल), त्रिपुरा अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (टीआरईडीए) ने लक्ष्य हासिल करने के लिए हर संभव पहल की है। नाथ ने कहा कि यह योजना न केवल घरों को ऊर्जा प्रदान करती है, बल्कि उन परिवारों को वैकल्पिक आय भी प्रदान करती है जो अतिरिक्त बिजली का उत्पादन करते हैं। मंत्री ने कहा, जिन 266 परिवारों ने पहले ही सौर ऊर्जा का उत्पादन शुरू कर दिया है, उनमें से 70 परिवारों को अतिरिक्त बिजली बेचने के लिए टीएसईसीएल से 30,902 रुपए मिले हैं। उन्होंने कहा कि 70 से अधिक परिवार हरित ऊर्जा अपनाने के बाद अपने बिजली बिलों को कम करने में कामयाब रहे हैं। नाथ ने कहा कि सरकार ने हरित ऊर्जा को लोकप्रिय बनाने के लिए राज्य भर में अपने सभी कार्यालयों में सौर ऊर्जा स्थापित करने का निर्णय लिया है। बांग्लादेश को बिजली आपूर्ति के बारे में मंत्री ने कहा कि राज्य पड़ोसी देश को 50/60 मेगावाट बिजली निर्यात करता है, हालांकि 100 मेगावाट बिजली प्रदान करने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए थे।

सुविचार

कुछ बनने का विचार छोड़ दो, क्योंकि तुम पहले से ही एक उत्कृष्ट कृति हो। आपको सुधारा नहीं जा सकता। आपको केवल इसके पास आना है, इसे जानना है, इसका अनुभव करना है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हिमाकत का नया ड्रामा

पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ द्वारा दिया गया यह बयान कि भारत सिंधु नदी पर किसी भी संरचना का निर्माण करेगा तो उनका देश उसे नष्ट कर देगा, दोनों देशों के बीच तनाव को और ज्यादा बढ़ा सकता है। क्या आसिफ इस बयान का मतलब समझते हैं? अगर पाकिस्तान ऐसा दुस्साहस करेगा, तो क्या भारत की ओर से उस पर पुष्पवर्षा होगी? ख्वाजा आसिफ ऐसे किसी भ्रम में न रहें। पाकिस्तान ने ऐसा कोई भी कदम उठाया तो भारत जबर्दस्त पलटवार करेगा। ये पाकिस्तानी मंत्री अपनी याददाश्त पर जोर डालें। भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित क्यों किया है? पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देता रहा है। उसने पहलगाम में तो सारी हदें पार कर दीं। ऐसे में भारत ने सिंधु जल संधि के संबंध में जो फैसला लिया, वह उचित ही है। अब दोनों देशों में सोशल मीडिया पर कई लोग यह कहते हुए इस पर सवाल उठा रहे हैं कि पाकिस्तानी किसानों का क्या होगा? इसका जवाब भारत सरकार से नहीं, पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल आसिम मुनीर से लेना चाहिए। उन्होंने पहलगाम हमले से पहले पाकिस्तानी किसानों और आम जनता के बारे में क्यों नहीं सोचा? अगर उन्हें अपने लोगों की इतनी ज्यादा फिक्र थी तो उनकी भलाई की ओर ध्यान देते। ऐसी हरकत न करते कि सिंधु जल संधि को स्थगित करने की नौबत आती। ख्वाजा आसिफ ध्यान रखें कि यह तो शुरुआत है। भारत सरकार जो कदम उठा रही है, निकट भविष्य में उसका पाकिस्तान पर गहरा असर होगा। पाकिस्तान का शेयर बाजार डांवाडोल स्थिति में पहुंच गया है। भारत ने पाकिस्तान के साथ सभी डाक सेवाएं स्थगित करते हुए अपने बंदरगाहों पर पाकिस्तानी झंडे वाले जहाजों के प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया है। पाकिस्तान से सभी वस्तुओं के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष आयात पर भी तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध की घोषणा हो चुकी है।

इन कदमों से पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था गहरे दबाव में आ गई है। इस साल जब पाकिस्तान के खेतों में बुवाई शुरू होगी तो उसे सूखे का सामना करना पड़ सकता है। यही नहीं, जब फसल को पानी की ज्यादा जरूरत नहीं होगी, तब सैलाब आ सकता है। अब भारत, पाकिस्तान को सिंधु जल प्रवाह संबंधी सूचना देने की जिम्मेदारी से मुक्त है। कब पानी आएगा, कब नहीं आएगा, कितना आएगा इसकी जानकारी पाकिस्तान अपने स्तर पर किसानों को दे। जहां तक भारत द्वारा बनाई गई किसी संरचना पर पाकिस्तान के हमले का सवाल है, ख्वाजा आसिफ याद रखें कि भारत के तरकश में ढेरों घातक तीर हैं। क्या उसके बाद इस्लामाबाद, लाहौर, रावलपिंडी और कराची जैसे शहर सुरक्षित रहेंगे? पाकिस्तान ने 3 दिसंबर, 1971 को भारत के कई इलाकों पर हवाई हमले किए थे। उनके जवाब में भारत ने ऐसा प्रहार किया था कि पाकिस्तान का नक्शा ही बदल गया। अगर पाकिस्तान सिंधु जल प्रवाह के बहाने फिर एक बार वैसी ही हिमाकत करने के मंसूबे बना रहा है तो उसे साल 1971 से कहीं ज्यादा भयानक नतीजों का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए। एक तरफ पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ कह रहे हैं कि पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद इस्लामाबाद की प्रतिक्रिया 'जिम्मेदाराना और नपी-तुली' थी, वहीं ख्वाजा आसिफ धमकियां दे रहे हैं! एक नेता शब्दों की जलेबियां बना रहे हैं, दूसरे नेता आग उगल रहे हैं। ये किसकी स्क्रिप्ट पढ़ रहे हैं? ऐसा लगता है कि ये अपनी नौकरी बचाने के लिए रावलपिंडी के आदेशों का पालन कर रहे हैं। इस बार भारत ने मजबूत इरादा कर लिया है। पाकिस्तान को उसकी हरकतों की सज़ा मिलकर रहेगी।

ट्वीटर टॉक

जयपुर में आयोजित 'मीट इन इंडिया कॉन्क्लेव' में राजस्थान की माननीया उप मुख्यमंत्री श्रीमती दीया कुमारी, ओडिशा की माननीया उप मुख्यमंत्री श्रीमती प्रवति परिदा , गोवा के माननीय पर्यटन मंत्री रोहन खूंटे के सानिध्य में प्रतिभाग किया।

–गजेन्द्र सिंह शेखावत

सादा जीवन और ब्रह्मचर्य के मार्ग पर चलने वाले 128 वर्षीय योग साधक श्री शिवानंद बाबा जी के निधन का समाचार अत्यंत दु:खद है। उनका जाना आध्यात्मिक जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। प्रभु श्री राम पुण्य आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें।

–दीया कुमारी

आज पाली जिले के ग्राम गरवलिया में श्री राजेश्वर भगवान मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में सम्मिलित होने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। हमारी संस्कृति से जुड़ने के साथ-साथ एकता, सद्भाव और सामाजिक समरसता का संदेश भी ऐसे आयोजन के माध्यम से पहुंचता है।

–सचिन पायलट

प्रेरक प्रसंग

परिस्थिति अनुरूप निर्णय

महाभारत युद्ध के दौरान भगवान श्रीकृष्ण ने एकांत में कर्ण से कहा, 'तुम माता कुंती के पुत्र हो, अंगराज! अपना पक्ष चुनने से पहले तनिक विचार करो।' कर्ण ने उत्तर दिया, 'जीवन का अंतिम चरण चल रहा है, केशव! मैं जानता हूं कि इस महाविनाश में मेरी मृत्यु निश्चित है। ऐसे समय में यह कठोर सत्य बताने की क्या आवश्यकता थी? आप दुर्योधन के प्रति मेरी निष्ठा और उसके कारणों को भलीभांति जानते हैं, केशव! मैं अपनी निष्ठा नहीं छोड़ सकता। और क्या अपने मित्र के प्रति निष्ठावान होना धर्म नहीं है?' श्रीकृष्ण मुस्कुरा उठे। उन्होंने कहा, 'निष्ठा धर्म का एक अंग होती है, पूरा धर्म नहीं, अंगराज! कोई भी निर्णय परिस्थितियों के आधार पर लेना चाहिए, केवल निष्ठा के आधार पर नहीं। निष्ठा एक स्थायी तत्व है, जबकि परिस्थितियां निरंतर बदलती रहती हैं। पूर्व में लिए गए निर्णयों के आधार पर वर्तमान का संचालन कर विजय प्राप्त करना मनुष्य के लिए कठिन होता है।' कर्ण ने उत्तर दिया, 'परंतु, मैं अपना अतीत कैसे भूल जाऊं, प्रभु! मेरा वर्तमान तो मेरे अतीत पर ही टिका है।' श्रीकृष्ण ने गंभीरता से उत्तर दिया, 'इतिहास केवल इसीलिए होता है कि मनुष्य पूर्व में हुई गलतियों से सीख ले सके। अतीत से मोह करना मूर्खता के अतिरिक्त और कुछ नहीं।

सामयिक

जलवायु परिवर्तन से राहत और आफत

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

जलवायु परिवर्तन के कारण भारत के मौसम का मिजाज अप्रत्याशित हो गया है। कभी तेज गर्मी तो कभी अंधड़ युक्त बारिश के फलस्वरूप जलवायु के बदलते पैटर्न से भारत की शहरी के साथ ग्रामीण आबादी के एक बड़े हिस्से की आजीविका और इसकी खाद्य उत्पादन प्रणालियों की स्थिरता को खतरा है। देश विशेषकर उत्तर भारत में मई माह की शुरुआत गर्मी और हीटवेव के साथ आंधी, बारिश और ओले गिरने से शुरू हुई है। जलवायु परिवर्तन को लेकर मिलने वाली खबरे बेहद चौंका देने वाली है। मौसम विभाग ने अगले एक सप्ताह में बारिश और अंधड़ का एलर्ट जारी किया है। अनेक स्थानों पर नुक्सान की खबरे भी आ रही है। उत्तर भारत के राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और दिल्ली-एनसीआर सहित यूपी, एमपी आदि के कई स्थानों में आंधी-बारिश ने कहर ढाया। सैकड़ों पेड़ गिर गए, जगह-जगह खंभे गिरने से बिजली आपूर्ति ठप रही और कई जगह घर ढह गए। वर्षा जनित हादसों में आठ लोगों की मौत हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक देश की राजधानी दिल्ली में मई माह में 1901 के बाद 24 घंटे के दौरान दूसरी सर्वाधिक बारिश है।दिल्ली-एनसीआर में कई जगह जलभराव से यातायात प्रभावित रहा। बारिश के कारण मां और तीन बच्चों की जान चली गई। मौसम विभाग ने बताया कि 1901 में रिकॉर्ड रखना शुरू किए जाने के बाद से मई में एक दिन में सबसे ज्यादा 119.3 मिमी बारिश 20 मई, 2021 में हुई थी। इससे पहले 1976 में 24 मई को 24 घंटे में 60 मिमी बारिश हुई। मई में आमतौर पर औसतन 30 मिमी बारिश होती है।

भारत की बात करे तो जलवायु परिवर्तन ने देशवासियों को चौंका दिया है। जलवायु परिवर्तन के कारण यहां जान-माल का भारी नुकसान हो रहा है। पिछले कुछ सालों में भारत में बाढ़, गर्मी की लहरें, तूफान और सूखे जैसी आपदाएं बढ़ी हैं। इससे लाखों लोग प्रभावित हुए हैं और कृषि को भी नुकसान पहुंचा है। जलवायु परिवर्तन के कारण विगत कुछ वर्षो में मौसम की चरम प्रतिकूल परिस्थितियों - गर्मी, सूखा, बाढ़, ओलावृष्टि आदि घटानाओं में काफी बढ़ोतरी हुई है।

जलवायु परिवर्तन वास्तव में पृथ्वी पर जलवायु की परिस्थितियों में बदलाव को कहा जाता है। भूमि, वातावरण, उसके ताप, जल प्रणाली के क्रियाकलापों में ऐसे परिवर्तन हों जो जलवायु के कारण मानव के जीवन, उसके रहन-सहन को प्रभावित करने लगें तो उसे जलवायु परिवर्तन कहते हैं। जलवायु परिवर्तन पिछले कुछ सालों से बहुत ही गंभीर समस्या के रूप में उत्पन्न होता जा रहा है। जलवायु परिवर्तन के कई कारण होते हैं, जो बहुत से तरीकों से पृथ्वी में चल रहे जीवन को प्रभावित करते है। बदल रहे मौसम के कारण वर्षा के स्वरूप में भी बहुत बड़ा परिवर्तन हुआ है।

जलवायु परिवर्तन यानी ग्लोबल वार्मिंग सरल शब्दों में कहें तो हमारी धरती के तापमान में लगातार बढ़ोतरी होना है। ग्लोबल वार्मिंग जीवाश्म ईंधन उत्सर्जन में वृद्धि के कारण पृथ्वी के वायुमंडल के तापमान में वृद्धि को दर्शाता है। कोयले और तेल जैसे जीवाश्म ईंधन को जलाने से हमारे वातावरण में कार्बनडाइ ऑक्साइड अधिक होता है। इन ग्रीनहाउस गैसों में से अधिकांश पृथ्वी के वायुमंडल में अधिक गर्मी का कारण बनती हैं। इससे पृथ्वी गर्म होती है। यानि जब सर्दी पड़नी चाहिए थी तब गर्मी हो रही है। तापमान में बदलाव आ रहा है। दुनियाभर में सैकड़ों वर्षों से जो औसत तापमान बना हुआ था, वह अब बदल रहा है। भारत की बात करें तो इस वर्ष मई - जून में पड़ने वाली तेज़ गर्मी मार्च से ही शुरू हो गई। बताया जाता है एक बार जब ग्रीनहाउस गैसों की मात्रा बढ़ने लगती है तो वो ज्यादा मात्रा में सूर्य की ऊर्जा को सोखने लगती है उसके चलते वैश्विक तापमान में वृद्धि होने लगती है इसी को ग्लोबल वार्मिंग कहते हैं। आज इसके चलते ने केवल धरती के बल्कि समुद्रों के तापमान में भी वृद्धि हो रही है।

इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि भारत विश्व में भूजल का सबसे बड़ा उपयोगकर्ता है। यदि जलवायु परिवर्तन का मौजूदा रुझान जारी रहा, तो दो दशकों के भीतर भारत के आधे से अधिक जिलों में पानी की गंभीर स्थिति का सामना करना पड़ सकता है। भारत अपनी जलवायु कार्रवाई को पूरा करने में सक्षम रहा है। नेट जीरो का अर्थ है कि सभी देशों को जलवायु परिवर्तन रोकने के लिए कार्बन के उत्सर्जन में तटस्थता लानी है। उपयोग करो और फेंकने की मानसिकता ग्रह के लिए नकारात्मक है। उपभोग उन्मुख दृष्टिकोण से बाहर निकलना आवश्यक है और पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली को बढ़ावा देना समय की जरूरत है। वैश्विक जलवायु कार्रवाई अभी तक सफल होती नहीं दिख रही है। ऐसा लगता है कि दुनिया अपने रास्ते पर रुक गई है लेकिन भारत हर एक भारतीय के प्रयासों के कारण अपने लक्ष्यों को समय से पहले हासिल कर रहा है।

बोध कथा

सुनने की क्षमता का महत्व

एक साल जंगल में बिताने के बाद युवराज अपने राज्य को लौटना चाहता था, पर गुरु की बात को टाल भी नहीं सकता था, इसलिए वह बेमन ही जंगल की ओर बढ़ चला। कई दिन गुजर गए पर युवराज को कोई नई आवाज़ नहीं सुनाई दी। वह परेशान हो उठा। उसने निश्चय किया कि अब वह हर आवाज़ को बड़े ध्यान से सुनेगा। फिर एक सुबह उसे कुछ अनजानी सी आवाजें हल्की- हल्की सुनाई देने लगीं। इस घटना के कुछ दिनों बाद वह गुरु के पास वापस लौटा और बोला- पहले तो मुझे वही ध्वनियां सुनाई दीं जो पहले देती थीं, लेकिन एक दिन जब मैंने बहुत ध्यान से सुनना शुरू किया तो मुझे वो सुनाई देने लगा जो पहले कभी नहीं सुनाई दिया था। मुझे कलियों के खिलने की आवाज सुनाई देने लगी। मुझे धरती पर पड़ती सूर्य की किरणों, तितलियों के गीत और घांस द्वारा सुबह की ओस पीने की ध्वनियां सुनाएं देने लगीं। यह सुनकर गुरुजी खुश हो गए और मुस्कुराकर बोले- अनसुने को सुनने की क्षमता होना एक अच्छे राजा की निशानी है। क्योंकि जब कोई शासक अपने लोगों के दिल की बात सुनना सीख लेता है। बिना उनके बोले, उनकी भावनाओं को समझ लेता है, जो दर्द बयां न किया गया हो उसे समझ लेता है, अपने लोगों की अनकही शिकायतों को सुन लेता है, केवल वही अपनी प्रजा का विश्वास जीत सकता है। कुछ गलत होने पर उसे समझ सकता है और अपने नागरिकों की वास्तविक आवश्यकताओं को पूरी कर सकता है।

अगर हमें अपनी फील्ड का लीडर बनना है तो हमें भी वो सुनना, सीखना चाहिए जो नहीं कहा गया है। यानी हमें उस युवराज की तरह बिलकुल

अलर्ट होकर अपना काम करना चाहिए और अपने साथ काम करने वालों की ज़रूरतों और भावनाओं का ख्याल रखना चाहिए। तभी हम खुद को एक ट्रू लीडर की तरह स्थापित कर सकेंगे।

नजरिया

शादी पाकिस्तान में और नागरिकता भारत की

संदीप सृजन
मोबाइल : 9406649733

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को 48 घंटे में देश छोड़ने का आदेश दिया तो एक नया मुद्दा सार्वजनिक हो उठा। भारत की महिलाओं पाकिस्तान में शादी हुई और वे भारत में रह कर बच्चें पैदा कर रही है। यह मुद्दा तब और जटिल हो जाता है जब इन महिलाओं के बच्चे या पति पाकिस्तानी नागरिकता रखते हैं।इस दौरान, कई ऐसी महिलाएं सामने आईं, जिनके पास भारतीय पासपोर्ट था, लेकिन उनके पति या बच्चे पाकिस्तानी नागरिक थे। इन मामलों ने यह सवाल उठाया कि क्या ऐसी व्यवस्था भारत की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती है। हम देखे कि भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध हमेशा से तनावपूर्ण रहे हैं। ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और भौगोलिक कारणों से दोनों देशों के बीच विश्वास की कमी रही है। हाल के दिनों में, एक नया मुद्दा चर्चा में आया है, जो भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक संरचना के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। पाकिस्तान में शादी करने वाली भारतीय महिलाओं का भारत की नागरिकता बनाए रखना। कुछ लोग इसे केवल व्यक्तिगत पसंद या पारिवारिक मामला मान सकते हैं, लेकिन गहरे विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि यह मुद्दा राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक एकता और भारत की संप्रभुता पर गंभीर सवाल उठाता है।

भारत का संविधान एकल नागरिकता की व्यवस्था करता है, जिसका अर्थ है कि कोई व्यक्ति एक साथ दो देशों का नागरिक नहीं हो सकता। नागरिकता अधिनियम, 1955 के तहत, भारतीय नागरिकता प्राप्त करने, निर्धारित करने और रद्द करने के नियम स्पष्ट हैं। फिर भी, हाल के वर्षों में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां भारतीय महिलाएं, जिन्होंने पाकिस्तान में शादी की है, भारत की नागरिकता बनाए रखती हैं। कुछ मामलों में, ऐसी महिलाएं अपने पाकिस्तानी पति और बच्चों के साथ भारत में रह रही हैं, या बार-बार भारत-पाकिस्तान के बीच यात्रा कर रही हैं। पाकिस्तान के साथ भारत का रिश्ता हमेशा से संवेदनशील रहा है। सीमा पर तनाव, आतंकवादी हमले, और जासूसी के मामले दोनों देशों के बीच अविश्वास को बढ़ाते हैं। ऐसे में,

भारतीय नागरिकता रखने वाली महिलाएं, जो पाकिस्तानी नागरिकों से विवाहित हैं, संभावित रूप से जासूसी या आतंकवादी गतिविधियों के लिए इस्तेमाल हो सकती हैं। यह केवल एक आशंका नहीं है, बल्कि हाल के कुछ मामलों ने इस खतरे को उजागर किया है।

उदाहरण के लिए, सीमा हैदर का मामला चर्चा में रहा है। सीमा, जो पाकिस्तान की नागरिक थीं, ने नेपाल के रास्ते अवैध रूप से भारत में प्रवेश किया और एक भारतीय नागरिक सचिन मीणा से शादी की। हालांकि सीमा ने दावा किया कि उन्होंने हिंदू धर्म अपना लिया और भारत में रहना चाहती हैं, लेकिन उनके अवैध प्रवेश और पाकिस्तानी पृष्ठभूमि ने सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क कर दिया। ऐसे मामलों में, यह सवाल उठता है कि क्या ऐसी शादियां केवल व्यक्तिगत प्रेम कहानियां हैं, या इनके पीछे कोई सुनियोजित साजिश हो सकती है। कुछ सोशल मीडिया पोस्टस में दावा किया गया है कि ऐसी शादियां भारत में स्लीपर सेल बनाने का हिस्सा हो सकती हैं। हालांकि ये दावे पूरी तरह सत्यापित नहीं हैं, लेकिन यह सच है कि भारत की उदार नागरिकता नीतियों का दुरुपयोग संभव है। विशेष रूप से, पाकिस्तान जैसे देश के साथ, जहां आतंकवादी संगठन सक्रिय हैं, ऐसी शादियां राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन सकती हैं। भारत का नागरिकता कानून इस तरह के मामलों को संबोधित करने में अपर्याप्त प्रतीत होता है। नागरिकता अधिनियम, 1955 के तहत, यदि कोई भारतीय नागरिक किसी विदेशी से शादी करता है, तो उनकी नागरिकता स्वतः रद्द नहीं होती। हालांकि, यदि कोई भारतीय नागरिक किसी अन्य देश की नागरिकता स्वीकार करता है, तो उनकी भारतीय नागरिकता समाप्त हो जाती है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब ऐसी महिलाएं पाकिस्तान की नागरिकता के लिए आवेदन नहीं करतीं और भारत की नागरिकता बनाए रखती हैं।

पाकिस्तान में भी नागरिकता कानून पक्षपाती हैं। वहां, यदि कोई पुरुष विदेशी महिला से शादी करता है, तो उस महिला को पाकिस्तानी नागरिकता मिल सकती है, लेकिन यदि कोई पाकिस्तानी महिला विदेशी पुरुष से शादी करती है, तो उसके पति को नागरिकता नहीं मिलती। यह असमानता भारतीय महिलाओं को भारत की नागरिकता बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करती है, क्योंकि उनके पति को पाकिस्तानी नागरिकता मिलने की संभावना कम होती है। इसके अलावा, भारत में लंबे समय तक रहने वाले पाकिस्तानी नागरिकों को नागरिकता देने की प्रक्रिया भी जटिल है। नागरिकता संशोधन अधिनियम (उ--), 2019 के तहत, पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए गैर-मुस्लिम अल्पसंख्यकों को नागरिकता दी जा सकती है, लेकिन यह प्रावधान मुस्लिम प्रवासियों पर लागू नहीं होता। इससे उन मामलों में भेदभाव का आरोप लगता है, जहां पाकिस्तानी मुस्लिम पुरुष भारतीय महिलाओं से शादी करते हैं।

ऐसी शादियां भारत की जनसांख्यिकी को प्रभावित कर सकती हैं। यदि पाकिस्तानी नागरिक भारत में बसने लगते हैं, तो यह दीर्घकालिक रूप से भारत की सामाजिक और राजनीतिक संरचना को बदल सकता है। कुछ लोग इसे सांस्कृतिक जिहाद या लव जिहाद के रूप में भी देखते हैं, हालांकि ये शब्द विवादास्पद हैं और इन्हें सावधानी से इस्तेमाल करना चाहिए। इस गंभीर मुद्दे से निपटने के लिए भारत को अपनी नीतियों और कानूनों में सुधार करना होगा। सरकार को यह स्पष्ट करना चाहिए कि यदि कोई भारतीय नागरिक पाकिस्तान जैसे संवेदनशील देश के नागरिक से शादी करता है, तो उनकी नागरिकता की समीक्षा की जाएगी। शादी के बाद एक निश्चित अवधि के भीतर विदेशी नागरिकता स्वीकार न करने पर भारतीय नागरिकता रद्द करने का प्रावधान हो सकता है। ऐसी शादियों और संबंधित व्यक्तियों की गतिविधियों पर खुफिया एजेंसियों को कड़ी निगरानी रखनी चाहिए। विशेष रूप से, सीमा क्षेत्रों और संवेदनशील स्थानों में रहने वाले लोगों की जांच होनी चाहिए।

सामाजिक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाए जाने चाहिए, ताकि लोग ऐसी शादियों के संभावित खतरों को समझ सकें। यह विशेष रूप से उन क्षेत्रों में महत्वपूर्ण है, जो पाकिस्तान की सीमा से सटे हैं। भारत और पाकिस्तान के बीच नागरिकता और विवाह से संबंधित मुद्दों पर स्पष्ट द्विपक्षीय समझौते होने चाहिए। इससे दोनों देशों के नागरिकों की स्थिति स्पष्ट होगी और दुरुपयोग की संभावना कम होगी। अवैध प्रवेश या संदिग्ध गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। सीमा हैदर जैसे मामलों में त्वरित और पारदर्शी जांच होनी चाहिए।

शादी पाकिस्तान में और नागरिकता भारत की रखने का मुद्दा केवल व्यक्तिगत पसंद का मामला नहीं है; यह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक पहचान के लिए गंभीर खतरा बन सकता है। हालांकि हर मामला साजिश का हिस्सा नहीं हो सकता, लेकिन इसकी संभावना को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। भारत को अपनी नागरिकता नीतियों को और सख्त करना होगा, ताकि इस तरह के दुरुपयोग को रोका जा सके। साथ ही, सामाजिक जागरूकता और खुफिया निगरानी को बढ़ाकर इस मुद्दे से प्रभावी ढंग से निपटा जा सकता है। यह मुद्दा न केवल भारत की सरकार, बल्कि समाज के हर वर्ग के लिए एक चेतावनी है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारी उदारता और सहिष्णुता का दुरुपयोग न हो, और हमारा देश सुरक्षित और एकजुट रहे। इस दिशा में त्वरित और प्रभावी कदम उठाना समय की मांग है।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ब्रिटेन : आतंकवादी हमले की साजिश के आरोप में कई ईरानी नागरिक गिरफ्तार

लंदन/भाषा। ब्रिटेन की आतंकवाद निरोधी पुलिस ने दो अलग-अलग मामलों में ''तेजी से आगे बढ़ रही'' जांच के तहत आठ लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से सात के ईरानी नागरिक होने की पुष्टि हुई है। मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने दावा किया कि गिराफ्तार आरोपी देश में एक खास स्थान को निशाना बनाने के लिए साजिश रच रहे थे।

पुलिस ने बताया कि 29 से 46 साल की उम्र के पांच लोगों को इंग्लैंड के विभिन्न हिस्सों से गिरफ्तार किया गया, जबकि 39 से 55 वर्ष की आयु के तीन अन्य लोगों को शनिवार को लंदन के विभिन्न स्थानों से पकड़ा गया। दोनों ही अभियान ईरानी नागरिकों से संबंधित थे, लेकिन मेट्रोपॉलिटन पुलिस की आतंकवाद रोधी कमान ने इन्हें अलग-अलग जांच से जुड़ा बताया। आतंकवाद रोधी कमान के प्रमुख कमांडर डोमिनिक मर्फी ने कहा, ''यह एक तेजी से आगे बढ़ने वाली जांच है और हम प्रभावित स्थल पर मौजूद लोगों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, ताकि उन्हें अद्यतन जानकारी दी जा सके।'' उन्होंने बताया कि पहले मामले में पांच लोगों को स्विंडन, मैनचेस्टर, रोशडेल, स्टॉकपोर्ट और लंदन से गिरफ्तार किया गया है। मर्फी ने कहा, ''जांच अभी भी अपने शुरुआती चरण में है और हम किसी भी संभावित निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले विभिन्न पहलुओं की जांच कर रहे हैं, साथ ही यह भी पता लगा रहे हैं कि क्या इस मामले से जनता को कोई और खतरा हो सकता है। हम समझते हैं कि जनता चिंतित हो सकती है और हमेशा की तरह, मैं उनसे सतर्क रहने के लिए कहूंगा और अगर वे कुछ भी ऐसा देखते या सुनते हैं, जो उन्हें चिंतित करता है, तो हमसे संपर्क करें।''

पुलिस ने बताया कि पहले मामले में गिरफ्तार पांच लोगों में से चार ईरानी नागरिक हैं और उन्हें आतंकवादी कृत्य की तैयारी के संदेह में पकड़ा गया है, जबकि एक अन्य की नागरिकता की जांच की जा रही है और उसे पुलिस और आपराधिक साक्ष्य अधिनियम (पीएसीई) के तहत हिरासत में लिया गया है।

पुलिस के एक बयान में कहा, ''जांच एक विशिष्ट परिसर को निशाना बनाने की संदिग्ध साजिश से संबंधित है। अधिकारी प्रभावित स्थल के अधिकारियों से संपर्क कर रहे हैं ताकि उन्हें सूचित किया जा सके और प्रासंगिक सलाह और सहायता प्रदान की जा सके, लेकिन परिचालन कारणों से, हम इस समय और अधिक जानकारी देने में सक्षम नहीं हैं।''

एकता कपूर ने मध्य प्रदेश सरकार की फिल्म पर्यटन नीति की शुरुआत की

मुंबई/भाषा। निर्माता एकता कपूर ने यहां पहले 'विश्व श्रव्य दृश्य एवं मनोरंजन सम्मेलन' (वेव्स) के अवसर पर मध्य प्रदेश सरकार की फिल्म पर्यटन नीति 2025 की शुरुआत की। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शनिवार को ''डिजिटल सपने और सिनेमाई दृष्टिकोण: मध्य प्रदेश अगला रचनात्मक केंद्र'' शीर्षक सत्र में नीति की शुरुआत की गई। कपूर ने एक बयान में कहा, ''मध्य प्रदेश ने अभी एक बेहतरीन नीति की शुरुआत की है। अब उन्हें निर्माताओं के लिए कुछ तरह की वित्तीय सुगमता मुहैया कराने की आवश्यकता है, ताकि वे बड़े पैमाने पर निर्माण का समर्थन कर सकें, जिससे न केवल राज्य की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि फिल्म निर्माताओं के लिए वहां शूटिंग करना भी आसान होगा।'' उन्होंने इस पहल का समर्थन करने के लिए अपनी कुछ आगामी परियोजनाओं की शूटिंग मध्य प्रदेश में करने का वादा भी किया।

मध्य प्रदेश सरकार के पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव (आईएएस) शिव शेखर शुक्ला ने कहा कि यह राज्य 'अतुल्य भारत' का हृदय है और तेजी से फिल्म निर्माताओं का भी हृदय बनता जा रहा है। उन्होंने बताया कि 2.0 नीति में सुधार किया गया है, जिसमें प्रोत्साहनों में वृद्धि की गई है तथा बार-बार शूटिंग के लिए विशेष प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि स्थानीय भाषाओं और स्थानीय प्रतिभाओं का उपयोग करने वाली फिल्मों के साथ-साथ मध्य प्रदेश में शूट की जाने वाली अन्य भारतीय भाषाओं में बनी फिल्मों को भी अतिरिक्त प्रोत्साहन दिया जाएगा। इस सत्र में एवीजीसी एक्सआर नीति 2025 और मध्य प्रदेश फिल्म सेल पोर्टल के दूसरे चरण की शुरुआत भी हुई।

परीक्षा

श्रीनगर के एक परीक्षा केंद्र पर राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा देने के लिए पहुंचे छात्र।

दौरा

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को वियतनाम के हनोई में समतेन हिल्स दालत का दौरा किया।

भारत-पाक तनाव से जुड़ी बैठक में शामिल होने के सरकार के आमंत्रण को इमरान खान की पार्टी ने ठुकराया

पेशावर/भाषा। जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने रविवार को राजनीतिक शिकायतों का हवाला देने के साथ व्यापक राजनीतिक परामर्श की मांग करते हुए पाकिस्तान-भारत तनाव को लेकर आयोजित बैठक में शामिल होने के सरकार के आमंत्रण को अस्वीकार कर दिया।

पीटीआई प्रवक्ता शेख वकास अकरम ने एक बयान में बैठक का बहिष्कार करने के पार्टी के फैसले की घोषणा करते हुए कहा कि पीटीआई हालांकि सभी प्रकार के आतंकवाद की कड़ी निंदा करती है और राष्ट्रीय एकता के महत्व को पहचानती है, लेकिन वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में वह इसमें भाग नहीं ले सकती।

अकरम ने कहा, पीटीआई के संस्थापक अध्यक्ष इमरान खान को गलत तरीके से जेल में डाला गया है। इसके बावजूद, उन्होंने जेल से अपने संदेशों में लगातार आतंकवाद की निंदा की है और राष्ट्रीय एकता का आह्वान किया है। उनका रुख एक सच्चे राष्ट्रीय नेता की दूरदर्शिता को दर्शाता है।

पीटीआई ने कहा कि वह देश की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और जरूरत पड़ने पर वह अग्रिम मोर्चे पर रहेगी।

हालांकि, पार्टी ने सरकार से आग्रह किया कि इस महत्वपूर्ण समय में सामूहिक निर्णय लेने के लिए तत्काल एक सर्वदलीय सम्मेलन (एपीसी) बुलाया जाए।

अकरम ने कहा, यह राजनीतिक लाभ उठाने का समय नहीं है। सरकार को सभी राजनीतिक ताकतों को विश्वास में लेना चाहिए।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सरकार की ओर से यह बैठक भारत के साथ हाल ही में बढ़े तनाव के बाद मौजूदा सुरक्षा स्थिति के बारे में प्रमुख राजनीतिक दलों को जानकारी देने के लिए की गई थी।

आने वाले दिनों में बहुत सारी विदेशी फिल्म-निर्माण कंपनियां भारत आने वाली हैं : भूमि पेडनेकर

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री भूमि पेडनेकर ने उम्मीद जतायी कि आने वाले दिनों में बहुत सारी विदेशी फिल्म-निर्माण कंपनियां भारत आयेगी। भूमि पेडनेकर ने शुक्रवार को मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में आयोजित विश्व श्रृव्य दृश्य विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) 2025 में 'लाइट्स, कैमरा, गंतव्य! फिल्मों के माध्यम से भारत की ब्रांडिंग' विषय पर पैनल चर्चा में शिरकत की। इस चर्चा के अन्य पैनलिस्टों में सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के संयुक्त सचिव पृथुल कुमार, एनएफडीसी के एमडी नितिन तेज आहूजा, प्रोड्यूसर्स गिल्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी राजेंद्र कुमार, गुजरात सरकार के सचिव (पर्यटन), आईटीडीसी की एमडी मुग्धा सिन्हा शामिल थीं। पेडनेकर ने कहा कि आने वाले दिनों में बहुत सारे विदेशी फिल्म-निर्माण कंपनियां भारत आने वाली हैं। उन्होंने कहा, दुनिया के कई हिस्सों में लोग हमारे सिनेमा की वजह से मुंबई को जानते हैं। भारत के गंतव्यों में शूटिंग की अपनी प्राथमिकता के बारे में भूमि पेडनेकर ने कहा, मेरी अधिकांश फिल्में सांस्कृतिक रूप से गंभीर हैं और देश के केन्द्रीय स्थल की फिल्में हैं। हमारा जज्बा और हमारे सिनेमा के लिए प्यार, जिस तरह से हमारे कलाकार और क्रू समर्पण के साथ काम करते हैं, वह अतुलनीय है। भारत के फिल्म उद्योग के बारे में भूमि पेडनेकर ने कहा कि अब फिल्म सेट पर काम करने वाले पुरुषों और महिलाओं की संख्या लगभग बराबर है। उन्होंने कहा कि भारत में फिल्म निर्माण में लगातार बेहतर लोग आ रहे हैं। पृथुल कुमार ने बताया कि सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा गठित इंडिया सिने हब (आईसीएच) वैश्विक फिल्म निर्माताओं के लिए भारत में फिल्म शूटिंग को बढ़ावा देता है और सुविधा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि यह भारत में फिल्मांकन के लिए वन-स्टॉप गंतव्य है, जिसमें फिल्म-निर्माण सुविधा के लिए विभिन्न राज्य पोर्टलों के लिंक भी मौजूद हैं। यह एकल-खिड़की सुविधा और मंजूरी तंत्र के रूप में कार्य करता है, जो भारत में फिल्मांकन को आसान बनाता है। इसके साथ ही यह फिल्म-अनुकूल इकोसिस्टम बनाने और देश को फिल्मांकन गंतव्य के रूप में बढ़ावा देने का प्रयास करता है। 2023 में प्रोत्साहनों को बढ़ाया गया है और इसके परिणामस्वरूप, व्यापार में 10 गुना वृद्धि हुई है और पोर्टल पर भारत में शूटिंग करने के लिए सौ से अधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। इन प्रोत्साहनों ने विदेशी फिल्म निर्माताओं के लिए भारत को एक आकर्षक शूटिंग गंतव्य बना दिया है।

शिरडी पहुंचीं पलक, किए साईं बाबा के दर्शन

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री पलक तिवारी अपनी फिल्म 'द भूतनी' की रिलीज के बाद से धार्मिक स्थलों पर पहुंच रही हैं। हाल ही में मुंबई स्थित सिद्धिविनायक मंदिर में दर्शन-पूजन के बाद वह अपनी मां श्वेता तिवारी और भाई रेयांश के साथ शिरडी पहुंचीं, जहां उन्होंने साईं बाबा के दर्शन किए। श्री साईं बाबा

संस्थान ट्रस्ट ने आधिकारिक अकाउंट पर वीडियो शेयर किया, जिसमें पलक अपनी मां श्वेता और छोटे भाई रेयांश के साथ मंदिर में हाथ जोड़े दर्शन करते नजर आईं। मंदिर पहुंचीं श्वेता, जहां सफेद, वहीं पलक पीले रंग के सलवार सूट में दिखीं। श्वेता तिवारी ने भी इंस्टाग्राम पर तस्वीर शेयर की, जिसमें वह माथे पर पीले रंग का चंदन लगाए बेटे के साथ पोज देती नजर आईं। बता दें, शिरडी साईं मंदिर महाराष्ट्र के अहमदनगर के शिरडी गांव में स्थित है। मंदिर का निर्माण साईं की समाधि के ऊपर किया गया है। मंदिर में साल भर श्रद्धालुओं की भीड़ देखने को मिलती है। मान्यता है कि साईं के दरबार में पहुंचे श्रद्धालुओं की सभी मन्नतें पूरी होती हैं। मंदिर से फिल्म इंडस्ट्री के सितारों का खासा लगाव है। वे अक्सर साईं बाबा के दरबार पहुंचते रहते हैं।

साईं मंदिर से पहले शुक्रवार को पलक तिवारी मुंबई स्थित सिद्धिविनायक मंदिर पहुंचीं और बप्पा के दर्शन किए। 1 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई पलक तिवारी की हॉरर-कॉमेडी 'द भूतनी' 1 करोड़ से ज्यादा की कमाई कर चुकी है। सिद्धांत सचदेवा के निर्देशन में बनी 'द भूतनी' में उनके साथ अभिनेता संजय दत्त, सनी सिंह और मौनी रॉय मुख्य भूमिकाओं में हैं। फिल्म में मौनी ने एक चुड़ैल का किरदार निभाया है। 'द भूतनी' को सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट और थ्री डायमेंशन मोशन पिक्चर्स ने प्रस्तुत किया है, जिसे सोहम रॉकस्टार एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन के बैनर तले दीपक मुकुट, संजय दत्त, हुनर मुकुट और मान्यता दत्त ने प्रोड्यूस किया है। पलक तिवारी की पहली फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' थी, एक्शन-कॉमेडी फिल्म का निर्देशन फरहाद सामजी ने किया था। यह फिल्म 2014 की तमिल फिल्म 'वीरम' की रीमेक है, जिसमें उनके साथ सलमान खान, पूजा हेगड़े, वेंकटेश, शहनाज गिल, जगपति बाबू, जस्सी गिल, सिद्धार्थ निगम, मालविका शर्मा और राघव जुयाल समेत अन्य सितारे हैं। अभिनेत्री श्वेता तिवारी की बेटी पलक को हार्डी संधू के हिट म्यूजिक वीडियो 'बिजली बिजली' से पहचान मिली।

फिल्म 'संजोग' का शूट खत्म होते ही नेहा शर्मा ने फैंस से पूछा, 'आप किस टीम में हो?'

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर एक्ट्रेस नेहा शर्मा इन दिनों हिमाचल प्रदेश में हैं। वह मनाली में अपनी अपकमिंग पंजाबी फिल्म 'संजोग' का शेड्यूल पूरा कर चुकी हैं। वह पहाड़ों की खूबसूरत वादियों का लुत्फ उठा रही हैं और सोशल मीडिया पर जमकर फोटोज शेयर कर रही हैं। इस कड़ी में उन्होंने एक बार फिर अपने हिमाचल ट्रिप की तस्वीरें शेयर की और फैंस से दिलचस्प सवाल पूछा। उनका यह पोस्ट अब इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। नेहा ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर की, जिसमें शूटिंग के दौरान के मजेदार बीटीएस पल, बर्फ से ढके पहाड़ों की खूबसूरत वादियां और उनके होटल रूम से दिखने वाला शानदार नजारा शामिल है। वह फिल्म की शूटिंग खत्म होने के बाद पूरी टीम के साथ जश्न मनाती भी नजर आईं। इस पोस्ट को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा- आप किस टीम के साथ हैं, पहाड़ों में खाई जाने वाली मैगी या गरमा-गरम चाय? 'संजोग' एक पंजाबी फिल्म है। इसमें जस्सी गिल और हैप्पी रायकोटी जैसे शानदार कलाकार लीड रोल में हैं। फिल्म का निर्देशन हरीश गार्गी ने किया है।

एक्ट्रेस की यह पहली पंजाबी फिल्म नहीं है, इससे पहले वह गिप्पी ग्रेवाल की एक्शन थ्रिलर फिल्म 'इक संधू हुंदा सी' में नजर आ चुकी हैं। इस फिल्म का निर्देशन राकेश मेहता ने किया।

नेहा एक्ट्रेस बनने से पहले फैशन डिजाइनर बनने का ख्वाब देखती थीं, इसके लिए उन्होंने कुछ समय तक फैशन इंडस्ट्री में काम भी किया, लेकिन इस दौरान उनका झुकाव फिल्मों की तरफ बढ़ गया और उन्होंने एक्टिंग में करियर बनाने का फैसला किया।

नेहा ने साल 2007 में साउथ सुपरस्टार चिरंजीवी के बेटे राम चरण की तेलुगू फिल्म 'चिरुथा' में काम किया। इसके बाद साल 2010 में उन्होंने इमरान हाशमी की फिल्म 'क्रूक' से बॉलीवुड में डेब्यू किया और लोगों ने उनके काम को काफी सराहा। इसके बाद, उन्होंने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा।

वह 'क्या सुपर कूल हैं', 'यमला पगला दीवाना 2', 'तुम बिन 2', 'मुबारकन', 'यंगिस्तान', 'तानाजी' जैसी कई फिल्मों में नजर आईं। फिल्मों के अलावा नेहा ने कई वेब सीरीज और म्यूजिक एल्बम्स में भी काम किया है। वर्कफ्रंट पर बात करें तो वह फिल्म 'दे दे प्यार दे 2' में भी नजर आने वाली हैं, जो 2019 में आई फिल्म 'दे दे प्यार दे' का सीक्वल है। इसमें अजय देवगन, तबु और रकुल प्रीत सिंह नजर आए थे।

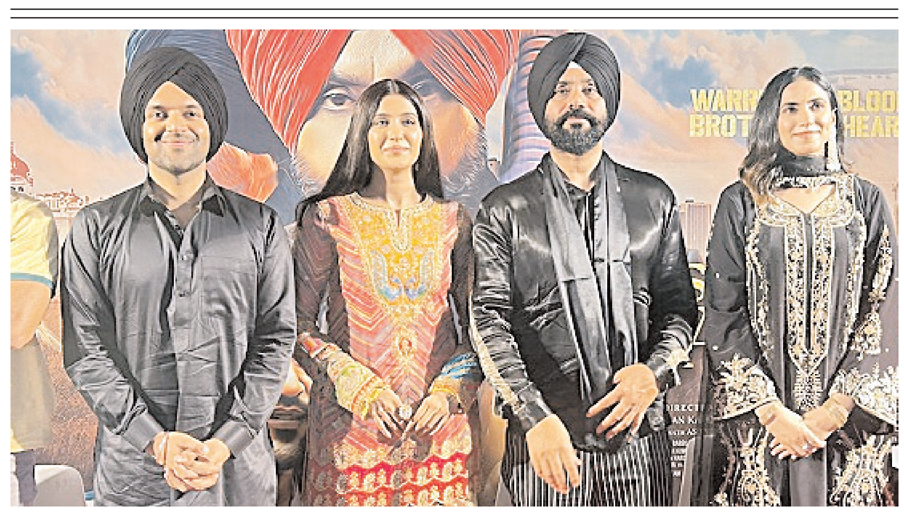

'शौंकी सरदार' का ट्रेलर रिलीज

मुंबई/एजेन्सी

बहुप्रतीक्षित फिल्म वॉरियर बाय ब्लड, ब्रदर्स बाय हार्ट: शौंकी सरदार का ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया हैऔर यह दमदार एक्शन, दिल छू लेने वाले इमोशंस और प्रभावशाली कहानी के साथ दर्शकों को पूरी तरह बांध लेता है। इस ट्रेलर को मोहाली में आयोजित एक भव्य प्रेस कॉन्फ्रेंस में लॉन्च किया गया। ग्लोबल म्यूज़िक आइकन गुरु रंधावा के साथ फिल्म के कलाकार बब्बू मान, सुनीता ढिल्लों, निमृत कौर अहलूवालिया, हशनीन चौहान और धीरज कुमार भी मौजूद थे। अभिनेता हरसिमरन और एली मंगट ने भी इस मौके पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। नया ट्रेलर पंजाब की जीवंत पृष्ठभूमि में बसी एक दमदार कहानी की झलक दिखाता है। हाई-ऑक्टेन एक्शन के साथ-साथ फिल्म में भाईचारे और पारिवारिक रिश्तों की गहराई को बखूबी दर्शाया गया है।

ट्रेलर को देखकर लगता है कि गुरु रंधावा इस बार अपने करियर की सबसे प्रभावशाली परफॉर्मेंस देने जा रहे हैं, जिसमें उनका किरदार कहानी की दिशा को तय करता है। दर्शक खास तौर पर गुरु रंधावा और निमृत कौर अहलूवालिया की ऑन-स्क्रीन केमिस्ट्री को लेकर काफी उत्साहित हैं और बेसब्री से फिल्म शौंकी सरदार के रिलीज का इंतजार कर रहे हैं।

धीरज केदारनाथ रत्तन द्वारा निर्देशित, शौंकी सरदार का निर्माण ईशान कपूर, शाह जंडियाली, धर्मिंदर बतौली और हरजोत सिंह ने किया है।

यह फिल्म ज़ी स्टूडियोज़ और बॉस म्यूज़िका रिकॉर्ड्स प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले, 751 फिल्म्स के सहयोग से पेश की गई है और यह 16 मई 2025 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज़ होगी।

कोविड महामारी ने सिनेमा देखने के व्यवहार को बदल दिया : अनुपम खेर

मुंबई/एजेन्सी

मुंबई के जियो वर्ल्ड सेंटर में आयोजित विश्व श्रृव्य दृश्य विजुअल और मनोरंजन शिखर सम्मेलन (वेव्स) 2025 में पैन-इंडियन सिनेमा: मिथक या गति शीर्षक से एक प्रेरक पैनल चर्चा आयोजित की गई । नमन रामचंद्रन द्वारा संचालित इस सत्र में भारतीय फिल्म उद्योग की चार प्रतिष्ठित हस्तियां नागार्जुन, अनुपम खेर, कार्थी और सुश्री खुशबू सुंदर एक बेहतरीन चर्चा के लिए एक साथ आईं। अनुपम खेर ने कहा कि किस तरह कोविड-19 महामारी ने सिनेमा देखने के व्यवहार को बदल दिया है। उन्होंने बताया कि कैसे दर्शकों ने अलग-अलग स्रोतों से फ़िल्में देखना शुरू किया और यह अलग-अलग क्षेत्रों के सिनेमा के बारे में नहीं है, बल्कि सिर्फ़ भारत के सिनेमा के बारे में है। उन्होंने इस बात पर भी ज़ोर दिया कि किसी को भी अपनी कला और कौशल में सच्चा और ईमानदार होना चाहिए, चाहे आप बड़े पर्दे पर कोई पौराणिक गाथा प्रसारित कर रहे हों या जीवन के किसी हिस्से से जुड़ा नाटक खेल रहे हों, कहानी कहने में ईमानदारी आपकी सबसे बड़ी सहयोगी है। दर्शक तमाशा देखना चाह सकते हैं, लेकिन वे हमेशा ईमानदारी की सराहना करेंगे और यही बात फ़िल्मों पर भी लागू होती है।

सुश्री खुशबू सुंदर ने दर्शकों को याद दिलाया कि सिनेमा की ताकत उसकी भावनात्मक प्रतिध्वनि में

निहित है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि बॉलीवुड और क्षेत्रीय फिल्म उद्योगों के बीच कोई विभाजन नहीं होना चाहिए, क्योंकि भारतीय फिल्में सभी भारतीयों के साथ जुड़ने के इरादे से बनाई जाती हैं। उन्होंने कहा, जब आप हमारी साझा विरासत, हमारे गीतों, हमारी कहानियों, हमारी मिट्टी का सम्मान करते हैं, तो आपकी फिल्म क्षेत्रीय या राष्ट्रीय नहीं रह जाती, वह भारतीय सिनेमा बन जाती है और यही वह चीज है जो सब कुछ ठीक कर देती है। नागार्जुन ने भारत की फिल्म निर्माण परंपराओं को एक साथ जोड़ने वाली समृद्ध सांस्कृतिक ताने-बाने का उल्लेख करते हुए इस भावना को दोहराया। उन्होंने असंख्य भाषाओं, रीति-रिवाजों और परिदृश्यों के बारे में बात की जो कहानीकारों को प्रेरित करते हैं। उन्होंने उपस्थित लोगों को याद दिलाया कि अपनी जड़ों पर गर्व करना रचनात्मकता को बाधित नहीं करता है बल्कि यह इसे मुक्त करता है और यही भारतीय सिनेमा का असली सार है। कार्थी ने पैनल चर्चा में जीवन से भी बड़े अनुभवों के लिए लोगों की बढ़ती जिज्ञासा पर भी बात की। उन्होंने कहा कि आज दर्शकों के पास विविधतापूर्ण विषय-वस्तु उपलब्ध है, लेकिन वे अभी भी गीत-नृत्य के जादू और वीरतापूर्ण महाकाव्यों के लिए सिनेमाघरों की ओर आकर्षित होते हैं। पैनलिस्टों ने चर्चा के दौरान क्षेत्रीय फिल्मों की धारणा से आगे बढ़ने और भारतीय फिल्मों के विचार को अपनाने के महत्व के बारे में बात की। उन्होंने भावनाओं, ईमानदारी पर जोर देते हुए कहा कि भारतीय सिनेमा की असली ताकत विभाजन में नहीं बल्कि हमारी मिट्टी में निहित एकता में निहित है, और यही वह गति है जो भारतीय सिनेमा को आगे ले जाएगी।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

आत्मा ही कर्मों की कर्ता है आत्मा ही कर्मों का भोक्ता है । हर जीव सुख चाहता है, दुख कोई नहीं चाहता। कुछ प्राणी ऐसे होते हैं जो स्वयं का सुख चाहते हैं और दूसरों का भी सुख चाहते हैं। कुछ स्वार्थी लोग ऐसे होते हैं जो स्वयं का सुख चाहते हैं पर दूसरों को दुख देते हैं। पर जीव जैसा कर्म करता है उसे उसका फल जरूर प्राप्त होता है। कुछ ऐसे अच्छे व्यक्ति भी होते हैं जो दूसरों की भलाई चाहते हुए स्वयं के सुख का त्याग कर देते हैं और ऐसे व्यक्तियों का भला स्वतः ही हो जाता है।

धार्मिक अध्ययन एवं संस्कार हेतु रत्नपुरी जैन विद्यालय की स्थापना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री रत्नपुरी श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ वाल्टेक्स रोड, कोंडितोप के आतिथ्य में रविवार को आचार्य भगवंत श्रीमद जयानंद सूरीश्वरजी के शिष्य मुनिश्री विवेक विजयजी की निश्रा में धार्मिक अध्ययन एवं संस्कार हेतु श्री रत्नपुरी जैन विद्यालय की स्थापना हुई। रत्नपुरी यात्रा में पूरे परिवार को गुरु भगवन्तो का भव्य समैय्या मिला। गुरु द्वारा धर्म देशना के साथ सभी को धार्मिक पुस्तक प्रदान की गई।

इस अवसर पर संघ के पदाधिकारियों द्वारा समारोह के मुख्य अतिथि जैन तत्वज्ञान केंद्र के प्रमुख रिखबचंद सत्यवत, मुनिसुव्रतस्वामी नवग्रह जैन मंदिर कोंडितोप के प्रमुख मनोहरलाल जैन एवं गुरुभक्त सुरेश भाई गुलेचा का तिलक लगाकर एवं माला पहनाकर सम्मान किया गया। सभा का संचालन संघ के सचिव हीराचंद कांकरिया दांतराय ने किया। इस अवसर पर रत्नपुरी संघ के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं सहित रत्नपुरी सर्व समाज के सभी परिवारजनों का सहयोग प्राप्त हो रहा है।

छाछ वितरण कार्यक्रम संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री जैन रत्न युवक परिषद् तमिलनाडु द्वारा 4 मई को स्वाध्याय भवन के सामने वॉलटैक्स रोड पर परोपकार दिवस के अन्तर्गत राहगीरों को छाछ वितरण कार्यक्रम संपन्न हुआ। संघ के निवर्तमान कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने बताया कि जैन रत्न युवक परिषद् तमिलनाडु के शाखा प्रमुख सन्दीप ओस्तवाल कार्य प्रमुख अभय सुराणा व सचिव मनोज कवाड समस्त पदाधिकारीगण व परोपकार सेवा समिति के सयोजकगण संदीप बोथरा अभिषेक कटारिया राहुल बोहरा व हर चोरडिया समिति के कर्मठ कार्यकर्तागण निरन्तर रूप से सफलता पूर्वक परोपकार सेवा कार्यक्रम आयोजित कर रहे हैं,उन्होंने श्रावक संघ की ओर से सभी कार्यकर्ताओं को साधुवाद ज्ञापित किया। श्रावक संघ के निवर्तमान कोषाध्यक्ष प्रकाशचंद ओस्तवाल, महावीरचन्द छाजेड़, नरेन्द्र कांकरिया, ज्ञान बागमार, शाखा प्रमुख संदीप ओस्तवाल, अभय सुराणा, मनोज कवाड, मनीष जैन, विनोद जैन, निखिल कांकरिया, संदीप बोथरा, हर्ष चोरडिया, जितेन्द्र कर्णावट, सुनील ओस्तवाल, वीरेन्द्र ओस्तवाल, शिखर छाजेड़, महावीर कर्णावट, तनसुख कर्णावट, दीपक श्रीश्रीमाल आदि युवा कार्यकर्ताओं ने सेवाएं प्रदान की।

विहार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयंबटूर। ऊटी की ओर विहाररत श्रमण संघीय श्री चारित्र प्रभाजी म. सा. की शिष्या डॉ. श्री प्रतिभाश्रीजी म. सा., श्री ऋषिताजी म. सा., श्री अनुज्ञाश्रीजी, श्री सर्वज्ञाश्रीजी, श्री प्रियांगीश्रीजी आदि रविवार को मादमपाल्यम पहुंचे। उनके दर्शन लाभ हेतु कोयंबटूर के राजेश कुमार गादिया, टाइगर खारीवाल, मनोज चोरड़िया, कपिल कॉकलिया आदि पहुंचे। सतीमंडल आगामी रविवार तक कुन्नूर पहुंचेंगे।

गुरु दर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व केन्द्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण मंत्री जगतप्रताप नड्डा ने शनिवार को वेल्लर स्थित स्वर्ण महालक्ष्मी मंदिर के दर्शन किए और श्रीनारायणी पीठ के पीठाधीश शक्ति अम्मा के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

बन्नरघट्टा रोड पर श्याम स्टे पीजी की नई शाखा का हुआ शुभारंभ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के श्याम स्टे पीजी (पेइंग गेस्ट सेवा) की एक नई शाखा का उद्घाटन बन्नरघट्टा रोड स्थित क्राइस्ट कॉलेज के पास में हुआ है। इस मौके पर मुख्य अतिथि के रूप देवकिशन कोठारी, लक्ष्मीनारायण द्वारकानी, श्याम राठी व बिमल लोहिया की उपस्थिति में श्याम स्टे के निदेशक शुभम लोहिया ने पूजा कर पीजी सेवा की शुरुआत की। शुभम लोहिया ने बताया कि कम्पनी आज स्टूडेंट पेइंग गेस्ट सेवा का संचालन कर रही है और बहुत जल्द ही कॉरपोरेट हाउसिंग व आईटी सेक्टर सेवा में प्रवेश कर अपनी नई शाखा खोलेंगे। लोहिया ने बताया कि नई सेवा में आधुनिक सुविधाओं के साथ-साथ शुद्ध शाकाहारी भोजन की व्यवस्था है।

सुमतिनाथ मंदिर में सिद्धचक्र महापूजन सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के मनवरथपेट स्थित सुमतिनाथ जैन मंदिर में सुमतिनाथ भगवान के दीक्षा कल्याणक के निमित्त मंगलकारी सिद्धचक्र महापूजन संपन्न हुआ। सुबह शुभ मुहूर्त में शांतिनाथ भगवान का स्नात्र पूजा महोत्सव मनाया गया। उसके बाद सिद्धचक्र के 9 पदों का अष्ट द्रव्यों से पूजन किया गया। जयंतीलाल श्रीश्रीमाल ने बताया कि सिद्धचक्र विधान एक विशेष धार्मिक अनुष्ठान है जिसमें 108 मंडलों की स्थापना की जाती है और प्रत्येक मंडल में 108 अर्घ्य समर्पित किए जाते हैं जो इस विधान में विभिन्न मंत्रों और स्तोत्रों का पाठ किया जाता है। इस पूजन के प्रभाव से सभी रोग, विघ्न, उपद्रव आदि शांत होते हैं।

पूजन में सुमतिनाथ मंदिर ट्रस्ट के बाबूलाल दानी, प्रदीप शाह, जयंतीलाल श्रीश्रीमाल, चेतन सतावत, पृथ्वीराज पालगोता, किशन जैन, विराग शाह, ललित जैन, मीठालाल धोकड़, निकेश दानी, विनोद दानी, गौरव सोलंकी, कमलेश जैन, किशोरमल जैन, लक्ष्मीचंद जैन सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित थे। यशवंत व उनकी टीम ने संगीत की प्रस्तुति दी। सुमतिनाथ ट्रस्ट मंडल द्वारा सबका सम्मान किया गया।

जीवन में संतुलन अति आवश्यक : साध्वीश्री सोमयशा

राजाजीनगर में स्वास्थ्य संबंधी कार्यशाला सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ युवक परिषद राजाजीनगर द्वारा रविवार को स्वस्थ जीवन का रहस्य' विषयक कार्यशाला का आयोजन साध्वीश्री सोमयशाजी के सान्निध्य में तेरापंथ भवन में हुआ। तेयुप अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया ने स्वास्थ्य विशेषज्ञ डॉ प्रज्ञा दुधेड़िया का परिचय दिया और सभी का स्वागत किया। साध्वीश्री सोमयशाजी ने कहा कि जैन दर्शन में तीन बातें बताई गई हैं, वात, पित्त, और कफ।

साध्वीश्री ने वात, पित्त और को संतुलित करने के तरीके बताए। साध्वीश्री ने कहा कि अगर हमें स्वस्थ रहना है तो इन तीनों का संतुलन जरूरी है। खाना साधना के लिए खाना चाहिए, दवाओं से दूर रहना चाहिए, खाने पर संयम रखना एवं निरंतर योग, ध्यान व्यायाम आदि करते रहना चाहिए। हमारे स्वास्थ्य का राज हमारे स्वयं के पास है। जीवन में प्राण शक्ति का संतुलन जरूरी है। साध्वीश्री सोमयशाजी ने कहा, हम जीने के लिए, मूर्ख स्वाद के लिए और साधु संत साधना के लिए खाते हैं। स्वस्थ रहने के लिए खुलकर हंसना चाहिए, प्रकृति से जुड़े रहना चाहिए और जैन धर्म की पद्धति को अपनाना चाहिए।

इस अवसर पर डॉ प्रज्ञा दुधेड़िया ने कहा कि जैन धर्म में सब समस्याओं का समाधान है। उन्होंने बताया कि आचार्यश्री तुलसी ने कहा था कि फूल बनकर मुस्कुराओ। इस मौके पर डॉ प्रज्ञा का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में तेरापंथ सभा के अध्यक्ष अशोक चौधरी, तेयुप के अध्यक्ष कमलेश चौरड़िया, महिला मंडल की अध्यक्ष ऊषा चौधरी सहित अनेक संबंधित संस्थाओं के सदस्य उपस्थित थे।

कपिल मुनि वल्लभ स्मारक रामापुरम पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। ओजस्वी वक्ता श्री कपिल मुनि जी म. सा. इस वर्ष श्री जैन संघ गोपालपुरम के तत्वावधान में छाजेड़ भवन में चातुर्मास करने के उद्देश्य से हैदराबाद से विहार करके मार्गवर्ती क्षेत्रों में स्पर्शना करते हुए रामापुरम स्थित वल्लभ स्मारक में पहुंचे।

यहाँ गोपालपुरम संघ के अध्यक्ष अमरचंद छाजेड़ व मंत्री राजकुमार कोठारी आदि पदाधिकारियों ने मुनिश्री के विहार की कुशलक्षेम, सुख साता की पृच्छा की और आगामी चातुर्मास की तैयारी के संदर्भ में विचार विमर्श किया। इस मौके पर चेन्नई के विभिन्न संघों से समागत श्रद्धालुओं के साथ स्वरूपचंद झामड, राजेन्द्र कुमार बोहरा, रमेशचंद चोपड़ा, अशोक छाजेड़ ,पारस झामड,रामलाल सुराणा आदि ने मुनि श्री के दर्शन वन्दन और मांगलिक श्रवण का लाभ लिया। चेन्नई महानगर में विचरण के दौरान आयोजित कार्यक्रमों व विहार की रूप रेखा के बारे में चर्चा वार्ता की।

'शब्द' पुरस्कारों के लिए प्रविष्टियां आमंत्रित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। बेंगलूरु के हिंदी रचनाकारों की प्रसिद्ध संस्था 'शब्द' ने उत्कृष्ट साहित्य लेखन तथा हिंदी के संवर्द्धन के लिए हर वर्ष दिए जाने वाले अपने दो पुरस्कारों के लिए प्रविष्टियाँ आमंत्रित की हैं। इनमें से पहला पुरस्कार एक लाख रुपए का अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान है, जिसे देश के किन्हीं एक मूर्द्धन्य साहित्यकार को दिया जाता है। दूसरा पुरस्कार पच्चीस हजार रुपए का दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान है, जिसे दक्षिण भारत में हिंदी भाषा और साहित्य के संवर्द्धन में उल्लेखनीय योगदान के लिए किन्हीं एक विशिष्ट हिंदी सेवी को प्रदान किया जाता है। यह जानकारी 'शब्द' साहित्यिक संस्था, बेंगलूरु के अध्यक्ष डॉ श्रीनारायण समीर ने एक प्रेस-विज्ञप्ति में दी ।

विज्ञप्ति के अनुसार अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान-2025 के लिए योग्य रचनाकार का चयन देश के प्रतिष्ठित साहित्यकारों / संपादकों / विद्वानों / प्रकाशन संस्थानों के द्वारा अनुशंसित रचनाकारों के साहित्यिक अवदान तथा विगत 3 वर्षों (2022 से 2024) में प्रकाशित उनकी कृतियों के पारदर्शी मूल्यांकन के आधार पर किया जाएगा । प्रस्तावित प्रविष्टि में रचनाकार का नाम और संपर्क पता (मोबाइल नंबर, मेल आईडी सहित), विगत 3 वर्षों में प्रकाशित पुस्तक का विवरण और उसकी विशेषता (प्रकाशक का नाम और पता, मोबाइल / फोन / मेल आई डी सहित) तथा रचनाकार के समग्र अवदान का संक्षिप्त विवरण (अधिकतम 200 शब्दों में) अपेक्षित होगा। प्रविष्टि के साथ संबंधित पुस्तक की 4 प्रतियाँ भेजनी जरूरी होंगी।

दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान-2025 के लिए योग्य हिंदी सेवी का चयन दक्षिण भारत में रहने वाले हिंदी सेवियों / सर्जकों के बीच से किया जाएगा। यह चयन दक्षिण भारत के प्रतिष्ठित साहित्यकारों / संपादकों / विद्वानों / सार्वजनिक जीवन के प्रतिष्ठित नागरिकों के द्वारा अनुशंसित नामों में से किया जाएगा। इसका आधार हिंदी के विकास एवं संवर्द्धन में संबंधित का अवदान तथा विगत वर्षों में उनकी उपलब्धियों का पारदर्शी मूल्यांकन होगा। अनुशंसा / प्रविष्टियाँ अध्यक्ष : शब्द, बी - 8 / 403, श्रीराम स्पंदन, चेलघट्टा, बेंगलूरु-560037 के पते पर आगामी 30 जून, 2024 तक मिल जानी चाहिए।

'शब्द' के अध्यक्ष डॉ समीर के अनुसार 'शब्द' साहित्यिक संस्था के प्रति बेंगलूरु के साहित्य-प्रेमी समाज के विश्वास का यह प्रमाण है कि अज्ञेय शब्द सृजन सम्मान का व्यय वहन नगर के प्रसिद्ध समाजसेवी और महान आधुनिक कवि-लेखक सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय साहित्य के अनुरागी 'श्री बाबूलाल गुप्ता फाउंडेशन' के द्वारा किया जाता है, जबकि दक्षिण भारत शब्द हिंदी सेवी सम्मान का व्यय वहन बेंगलूरु और चेन्नई से प्रकाशित प्रमुख हिंदी दैनिक समाचार पत्र 'दक्षिण भारत राष्ट्रमत' के द्वारा किया जाता है। शेष व्यय का वहन 'शब्द' के सदस्यगण स्वेच्छा से करते हैं।

कुमारापार्क स्थित मुनिसुव्रतस्वामी मंदिर में धूमधाम से हुआ ध्वजारोहण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के कुमारापार्क स्थित श्री मुनिस्व्रतस्वामी मंदिर में रविवार को 16वां अमर ध्वजारोहण महोत्सव अत्यंत श्रद्धा, भक्ति एवं उत्साह के साथ सम्पन्न हुआ। महोत्सव का शुभारंभ प्रातः 9:15 बजे विमलकुमार रोहनकुमार भंडारी परिवार के निवास से ध्वजा यात्रा प्रारंभ हुई जो विभिन्न मार्गों से होती हुई मंदिर पहुंची।

गच्छाधिपति आचार्यश्री उदयप्रभसूरीश्वरजी की प्रेरणा से उनके शिष्यों की निश्रा में ॐ पुण्याहम पुण्याहमं- प्रियंताम प्रियंताम मंत्रोच्चारण के साथ अमर ध्वजा का विधिपूर्वक आरोहण किया गया। स्व. गेरीबाई-घेवरचंद भंडारी परिवार द्वारा आयोजित इस पुण्य महोत्सव में भक्तों ने सामूहिक भाव से भाग लेकर आत्मकल्याण एवं धर्म आराधना का लाभ प्राप्त किया। संघ के अध्यक्ष मोहनलाल मरलेचा ने सभी का स्वागत किया। दीपक गुरुजी ने विधि विधान कराया। मुनिसुव्रत महिला मंडल ने सत्तरभेदी पूजा पढ़ाई।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.